डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/101/2020-22

R.N.I. No. RAJHIN/2014/56746

वर्ष : 10 > अंक : 15 > मूल्य: 10 रुपए >पृष्ठ : 08

मीडिया दृष्टिकोण

हिलव्यू समाचार

पद और प्रतिष्ठा का दुरुपयोग व्यक्तित्व के पतन का प्रतीक है। शालिनी श्रीवास्तव

website: www.hsnews.in

विशेषांक

जयपुर, शुक्रवार, 22 सितम्बर 2023

संसद ने लगाई महिला आरक्षण पर मुहर

'नारी शक्ति वंदन विधेयक' राज्यसभा ने किया सर्वसम्मति से पारित

215 Vs 0

सभी दलों की सकारात्मक सोच से मिला महिलाओं को सम्मान: प्रधानमंत्री मोदी

- उच्च सदन में वोटिंग से पहले पीएम मोदी ने की सर्वसम्मति की अपील
- विपक्ष ने ओबीसी को आरक्षण और जनगणना शीघ्र कराने की मांग उठाई

एजेंसी

नई दिल्ली। राज्यसभा में नारी शक्ति वंदन विधेयक-2023 गुरुवार देर रात तक चली चर्चा के बाद सर्वसम्मति से यानी 215-0 से पारित हो गया। इस बिल के खिलाफ एक भी वोट नहीं पड़ा। संसद के उच्च सदन में इस बिल पर वोटिंग से पहले सदन में बोलते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि समर्थन के लिए सांसदों का आभार। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि दो दिन से महत्वपूर्ण विधेयक पर चर्चा हो रही है। दोनों सदन में 132 सदस्यों ने बहुत ही सार्थक चर्चा की है। भविष्य में भी इस चर्चा का एक-एक शब्द आने वाली यात्रा में हम सबको काम आने वाला है। हर बात का अपना महत्व व मूल्य है। सब सांसदों का अभिनंदन करता हूं। ये भावना देश के जन-जन में एक नया आत्मविश्वास पैदा करेगा। सभी राजनीतिक दलों ने बड़ी अहम भूमिका निभाई है। सभी राजनीतिक दलों की सकारात्मक सोच से नारी शक्ति को विशेष सम्मान मिला है। पीएम ने कहा कि ये उच्च सदन है। मतदान भी सर्वसम्मति से होना चाहिए।

हम समर्थन दे रहे हैं, लेकिन ध्यान रहे पिछले जुमलों की तरह यह भी जुमला न बने: खरगे

नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि मैं बिल के समर्थन में खड़ा हूं। मेरी पार्टी सहित इंडिया गठबंधन की पार्टियां पूरे दिल से इस विधेयक का समर्थन करती हैं। खरगे ने विधेयक पर चर्चा के दौरान कहा कि मैं एक कविता से अपनी बात कहना चाहता हूं। उनके ऐसा कहते ही सभापति जगदीप धनखड़ नेकहा कि 'आप रहने दीजिए। आपकी कविता बड़ी गंभीर होती है। मेरे यहां आने से पहले आपने ऐसी कविता पढ़ दी कि पूरे देश में मुझसे लोग पूछने लगे। ऐसा मौसम आएगा सदा सताएगा...।' इसके बाद खरगे ने कहा कि यह आपके लिए नहीं, बिल के लिए है। उन्होंने कविता पढ़ी- 'कोमल है तू कमजोर नहीं, शक्ति का नाम ही नारी है, जग को जीवन देने वाली, मौत भी तुझसे हारी है।' खरगे ने कहा कि हम स्त्री शक्ति को बढ़ावा दे रहे हैं। इस बिल के क्लॉज 5 में लिखा है कि आरक्षण तभी लागू होगा, जब परिसीमन पूरा होगा। परिसीमन भी जनगणना प्रक्रिया पूरी होने के बाद होगी। हम समर्थन दे रहे हैं, लेकिन सत्ता पक्ष को ध्यान रखना चाहिए कि पिछले जुमलों की तरह यह भी जुमला न रह जाए।

आपने 9 साल कैसे लगा दिए

कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल ने कहा, 'आप (बीजेपी) तो 2014 में सत्ता में आए। आपने वादा किया था कि महिलाओं को उनका हक देंगे। 2014 से 2023 हो गया, आपको यह बिल लाने से किसने रोका था? क्या पिछली इमारत में वास्तु की कोई समस्या थी? क्या इस इमारत में बढ़िया मुहूर्त है? अब आप बोल रहे हैं कि 2029 तक लागू नहीं कर पाएंगे।'

कांग्रेस सांसदों ने पेश किया संशोधन: कांग्रेस सांसद नसीर हुसैन, नीरज डांगी, अमी याजनिक, रंजीत रंजन, रजनी पाटिल, फूलो देवी नेताम, राजमणि पटेल, जेबी माथेर और डॉ. एल. हनुमंतैया ने महिलाओं के लिए ओबीसी आरक्षण को 33% के भीतर और सीटों की वर्तमान व्यवस्था में महिला आरक्षण को तत्काल लागू करने के लिए संशोधन पेश किया है।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत आज करेंगे कॉन्स्टिट्यूशन क्लब का लोकार्पण

हिलव्यू समाचार

जयपुर। राजस्थान आवासन मंडल के द्वारा दिल्ली की तर्ज पर बन रहे कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ राजस्थान का शुक्रवार को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत फीता काटकर लोकार्पण करेंगे।

इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सी.पी. जोशी, नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री शांति कुमार धारीवाल, नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़, मुख्य सचिव उषा शर्मा, सचिव राजस्थान विधानसभा महावीर प्रसाद शर्मा, आवासन आयुक्त कुमार पाल गौतम, मंत्रिमंडल के सदस्य और अन्य जन प्रतिनिधिगण मौजूद रहेंगे। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री गहलोत ने बजट 2021-22 में नई दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब की तर्ज पर जयपुर में भी यह क्लब बनाया जाना प्रस्तावित किया था। मुख्यमंत्री ने कॉन्स्टिट्यूशन क्लब परियोजना के निर्माण कार्य का शिलान्यास पिछले साल 9 फरवरी को किया था। कॉन्स्टिट्यूशन क्लब परियोजना में बेसमेंट, भूतल और पांच तलों का 1 लाख 95 हजार फीट निर्माण किया गया है।

असम के सीएम सरमा का कांग्रेस पर हमला

कन्हैयालाल की हत्या वाली घटना असम में होती तो हिसाब बराबर करवा देता: हिमंता

हिलव्यू समाचार

जयपुर। भाजपा की परिवर्तन यात्राओं में शामिल होने के लिए प्रदेश दौरे पर आए असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने गुरुवार को कोटा में कहा कि राजस्थान में सर तन से जुदा करने की घटना में कन्हैया लाल को मौत के घाट उतार दिया गया। अगर ऐसा मेरे असम में होता तो 5 मिनट में ही दूसरी ब्रेकिंग न्यूज भी बन जाती, जिसमें बाबर के रिश्तेदारों के सर तन से जुदा हो जाते हैं, मैं वहां पर हिसाब बराबर करवा देता। राजस्थान वीरों की भूमि है, यहां भी वीरों जैसा जवाब मुख्यमंत्री को देना चाहिए था। हिसाब में कोई कमी नहीं होनी चाहिए।

कांग्रेस वाले रामलला के मंदिर में नहीं जाते

सरमा ने सीएम अशोक गहलोत और राहुल गांधी पर भी निशाना साधते हुए कहा कि आपने कभी राहुल गांधी को रामलला के मंदिर जाते हुए देखा? अशोक गहलोत सारे मंदिर में जाते हैं, कभी रामलला के मंदिर गए? यह सभी मंदिर में जाएंगे, लेकिन रामलला के मंदिर में नहीं जाएंगे, क्योंकि बाबर का खून गर्म हो जाएगा। कांग्रेसी तो मंदिर में भी हिसाब करके जाते हैं। अशोक गहलोत अगर हिंदू हैं तो एक बार राहुल गांधी को रामलला के पास ले जाएं। कांग्रेस में सीख दी जाती है कि भगवान शंकर, राम, सीता का नाम नहीं बोलो पहले नेहरू, इंदिरा, राजीव गांधी फिर प्रियंका गांधी, रॉबर्ट वाड्रा और राहुल गांधी का नाम बोलो, वही उनके भगवान हैं।

अनुसूचित जाति अधिवक्ता संवाद में सीएम बोले

सामाजिक न्याय सुनिश्चित करना हर सरकार का कर्तव्य

हिलव्यू समाचार

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि सामाजिक न्याय सुनिश्चित करना हर सरकार का मूल कर्तव्य है और हमारी सरकार इस दायित्व का पूरी प्रतिबद्धता के साथ निर्वहन कर रही है। राज्य सरकार द्वारा अनुसूचित जाति, जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग के सर्वांगीण विकास के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएं बनाई गई हैं, जिन्हें प्रभावी रूप से धरातल पर उतारा जा रहा है। गहलोत गुरुवार को मुख्यमंत्री निवास पर अनुसूचित जाति के अधिवक्ताओं से संवाद कर रहे थे। उन्होंने कहा कि देश में लोकतंत्र तथा समानता का अधिकार, बाबासाहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर द्वारा बनाए गए संविधान से संभव हो पाया है। इस अवसर पर सार्वजनिक निर्माण मंत्री भजनलाल जाटव, पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा, अतिरिक्त महाधिवक्ता डॉ. गणेश परिहार, महावीर जिंदल, महासचिव अशोक कुमार वर्मा, सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता मौजूद रहे।

जयपुर संभागीय आयुक्त नेहरा का VRS हुआ मंजूर

हिलव्यू समाचार

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के निर्देश पर जयपुर के संभागीय आयुक्त अंतर सिंह नेहरा का ऐच्छिक सेवानिवृत्ति प्रार्थना पत्र को कार्मिक विभाग ने गुरुवार को स्वीकार कर लिया है। आईएएस अधिकारी नेहरा विधानसभा चुनाव लड़ने के इच्छुक हैं। यही कारण है कि उन्होंने जनवरी 2024 में सेवानिवृत होने के बजाए संभागीय आयुक्त पद से ऐच्छिक सेवानिवृत्ति ली है। ऐसा माना जा रहा है कि आईएएस नेहरा झुंझुनू जिले की सूरजगढ़ विधानसभा से दावेदारी पेश कर सकते हैं।

सीएम गहलोत के भाजपा पर प्रहार: केंद्रीय जल शक्ति मंत्री नाकारा

मोदी-शाह हरगिज नहीं बना पाएंगे सरकार

हिलव्यू समाचार

जयपुर। राजधानी जयपुर को विकास कार्यों की सौगात देते हुए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने गुरुवार को राजधानी को तीन प्रोजेक्ट का लोकार्पण व चार परियोजनाओं का शिलान्यास किया।

इसके साथ ही राहुल गांधी की होने वाली सभा की तैयारियों का जायजा लेने पहुंचे सीएम गहलोत ने मोदी और शाह के प्रदेश लगातार दौरों को लेकर कहा कि अब उनका टारगेट राजस्थान है, लेकिन मोदी और शाह किसी भी कीमत पर यहां सरकार नहीं बना पाएंगे। उनके दिल में इसी बात की जलन है कि वे मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक में कामयाब हो गए, लेकिन राजस्थान में नाकामयाब हुए। इसी बात का उनको दर्द है। सीएम ने कहा कि मोदी और शाह साम-दाम-दंड-भेद, ईडी और इनकम टैक्स सब कुछ कर रहे हैं। उनके पास साधनों की कमी नहीं हैं।

आज देश में राजस्थान को लेकर एक अलग माहौल बन गया है। अभी मैं आंध्र प्रदेश गया था वहां तक खबर फैल गई है कि यहां पर फिर से कांग्रेस की सरकार आ रही है या सरकार आ सकती है।

गजेन्द्र सिंह शेखावत को लिया निशाने पर

सीएम गहलोत ने शिलान्यास-लोकार्पण के मौके पर मंच से केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत को फिर से निशाने पर लिया। ईआरसीपी के मुद्दे को लेकर सीएम ने कहा कि पीएम मोदी ने वादा करके भी ईआरसीपी को राष्ट्रीय परियोजना घोषित नहीं किया। राजस्थान ने 25 सांसद केंद्र में भेजे, लेकिन इनमें से एक भी परियोजना को भी राष्ट्रीय परियोजना घोषित नहीं करवा सका। दुख होता है कि पीएम वादा करें और पूरा नहीं हो। सीएम ने बिना नाम लिए कहा कि केंद्रीय मंत्री यहां के हैं। जोधपुर से सांसद हैं, लेकिन वह इतने नाकारा और निकम्मा है कि एक परियोजना को राष्ट्रीय परियोजना घोषित नहीं करवा सकते। सीएम ने कहा कि सरकार बदलती है तो काम रुक जाते हैं। भाजपा वाले सरकार बदलने पर योजनाएं बंद कर देते हैं, लेकिन हमने वसुंधरा राजे के समय की ईआरसीपी बंद नहीं की।

एसटी-एससी व ओबीसी की महिलाओं को मिले आरक्षण

सीएम गहलोत ने महिला आरक्षण बिल में एसटी-एससी व ओबीसी की महिलाओं को आरक्षण देने की मांग रखी। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार चाहती तो इस बिल को नौ साल पहले भी ला सकती थी। अब चुनाव आ रहे हैं, इंडिया गठबंधन इसको मुद्दा बना रहा है, जातिगत जनगणना महत्वपूर्ण है। गहलोत ने कहा कि राजीव गांधी ने महिला आरक्षण की शुरुआत की। सोनिया गांधी ने भी 25 साल कोशिश की। एक बार पार्लियामेंट के एक हाउस में पास भी हुआ, लेकिन आगे नहीं बढ़ पाया। अब चुनावों के समय माहौल बनाने के लिए कानून लाए हैं।

सम्पादकीय

वोट बैंक के लिए रिश्तों को झुलसा रहे ट्रूडो

अब तो यह साफ हो चुका है कि हमारा पड़ोसी पाकिस्तान जहां आतंकवाद का मददगार है और उन्हें पैसे भी देता है। वहीं, कनाडा आतंकियों को रहने और उनके मंसूबों को अंजाम देने की जगह बन चुका है। यही मूल कारण है कि बीते कई दिनों से भारत और कनाडा के रिश्तों में तल्खी देखी जा रहा है। भारत का स्टैंड बिलकुल साफ है कि वो किसी भी सूरत में आतंकवाद और उनके पोषकों को सहन नहीं करेगा। कनाडा में जिस तरह से भारत विरोधी गतिविधियों को हवा दी जा रही है। भारत ने उस पर कड़ी प्रतिक्रिया देकर एकदम सही किया है। यह तो पहले से ही लग गया था कि कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो द्वारा वहां की संसद में दिए गए बयान से दोनों देशों बिगड़ते रिश्ते और बदतर हो जाएंगे। उनका यह आरोप लगाना सचमुच अजीब है कि जून महीने में ब्रिटिश कोलंबिया में हुए एक खालिस्तानी नेता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत सरकार का हाथ है। खुद ट्रूडो के मुताबिक वहां की एजेंसियां अभी इस मामले की जांच ही कर रही हैं। जब जांच किसी नतीजे तक नहीं पहुंची है तो फिर उस आधार पर कोई नतीजा भी नहीं निकाला जा सकता। शायद इसीलिए ट्रूडो ने आरोपों को ही विश्वसनीय बता दिया। ये आरोप कनाडा के खालिस्तानी तत्व शुरू से लगा रहे हैं, लेकिन कोई सबूत नहीं दे पा रहे। बावजूद इसके खुद कनाडाई प्रधानमंत्री ने इस हत्या के सिलसिले में भारत का नाम ले लिया। भारत ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया, लेकिन ट्रूडो ने कोई पहली बार इस तरह का गैरजिम्मेदार रवैया नहीं दिखाया है। पिछले दिनों जी-20 की शिखर बैठक के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के दौरान भी उनके रुख से यही संकेत मिला कि वह कनाडा में खालिस्तान समर्थक तत्वों की हरकतों को गंभीरता से नहीं लेते। यहां तक कि उन्होंने तो खालिस्तानी तत्वों की गतिविधियों को अपने नागरिकों की अभिव्यक्ति की आजादी करार दे दिया। केवल इतना ही नहीं साथ में हनक दिखाते हुए यह भी जोड़ दिया कि वे किसी देश को इस मामले में दखलंदाजी नहीं करने देंगे। उनके इरादों से साफ है कि वे भारत की संप्रभुता और एकता-अखंडता जैसे महत्वपूर्ण मसले का वह अन्य मुद्दों से घालमेल कर रहे हैं। इससे पहले भारत में हो रहे किसान आंदोलन के दौरान भी उन्होंने बेवजह ही प्रदर्शनकारियों का समर्थन कर भारत के आंतरिक मामलों में दखल देने का प्रयास किया था। 2018 में जब वह भारत दौरे पर आए थे तो मुंबई में आयोजित एक कार्यक्रम में उनकी पूर्व पत्नी की एक खालिस्तानी नेता जसपाल सिंह अटवाल के साथ तस्वीर को लेकर विवाद हो गया था। पंजाब के एक पूर्व कैबिनेट मंत्री की 1986 में वेंकुवर में हुई हत्या के मामले में 20 साल जेल में बिता चुके अटवाल का नाम कनाडाई हाईकमिशन की ओर से आयोजित डिनर की गेस्ट लिस्ट में भी शामिल था, जिसे विवाद के बाद हटाया गया। हालांकि कुछ जानकार ट्रूडो के इस रवैये के पीछे उनकी चुनावी राजनीति की मजबूरियां गिनाते हैं। संसद में दिए उनके ताजा बयान को भी फूड इन्फ्लेशन और हाउसिंग संकट के कारण घरेलू मोर्चे पर बढ़ती उनकी मुश्किलों से जोड़कर देखा जा रहा है, लेकिन वजह चाहे जो भी हो, उनका यह रुख दोनों देशों के रिश्तों में खटास तो बढ़ाता ही जा रहा है। दोनों देश एक-एक सीनियर डिप्लोमैट को निष्कासित करने की घोषणा तो कर ही चुके हैं, करीब एक दशक के गैप के बाद शुरू हुई मुफ्त व्यापार समझौते की वार्ता भी अटक गई है। यहां तक कि भारत ने कड़े फैसले लेकर साफ कर दिया है कि देश विरोधी गतिविधियों को किसी भी सूरत में सहन नहीं किया जाएगा। होना भी ऐसा ही चाहिए। विश्व बिरादरी का सहयोग न मिलने से कनाडा तो झटका तो लगा है, लेकिन ट्रूडो वोट बैंक के लिए दोनों देशों के रिश्तों को झुलसाने पर अमादा हैं।

सारा संसार

श्रीमंत दगडूशेठ हलवाई गणपति मंदिर श्री सिद्धिविनायक मंदिर के बाद महाराष्ट्र में दूसरा सबसे लोकप्रिय मंदिर है, जो भगवान गणपति को समर्पित है। यह मंदिर पुणे में स्थित है जहाँ देश भर से बड़ी संख्या में पर्यटक और श्रद्धालु आते हैं।

हालात

सोनम लववंशी

महत्वाकांक्षाओं तले दबा जीवन

राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो के ताजा आंकड़ों की मानें तो पिछले एक दशक में आत्महत्या के मामले में 70 फ़ीसदी की वृद्धि हुई है। वर्ष 2011 में जहां 7696 बच्चों ने आत्महत्या की थी। वहीं साल 2021 में यह आंकड़ा बढ़कर 13 हजार तक पहुंच गया। ऐसे में सवाल यह उठता है कि क्या बच्चों के सपने उनके जीवन से बड़े हो गए हैं? जिसकी वजह से वो मौत को गले लगाने को मजबूर हो रहे हैं। शिक्षा व्यक्तित्व निर्माण का आधार होती है, लेकिन वर्तमान दौर में बढ़ती गलाकाट प्रतिस्पर्धा ने शिक्षा के मायने ही बदलकर रख दिए हैं। जो बेहद दुःखद पहलू है। विडंबना देखिए कि जो बच्चे अभी जीवन का सही अर्थ तक समझने में सक्षम नहीं थे। वे भी अगर आत्महत्या जैसा क़दम उठा रहे हैं तो यह महज़ पढ़ाई का बोझ नहीं कहा जा सकता, बल्कि अभिभावकों की बढ़ती महत्वाकांक्षा का भी परिणाम है। आजकल हर अभिभावक अपने बच्चों को शीर्ष पर देखना चाहते हैं, लेकिन वास्तविकता तो यही है कि शीर्ष पर सिर्फ एक व्यक्ति ही काबिज़ हो सकता है। फिर ऐसी अपेक्षा किस काम की? संवैधानिक व्यवस्था में जीवन जीने की स्वतंत्रता अगर मौलिक अधिकार में आती है, तो बच्चों के जीवन जीने का अधिकार न तो कोचिंग संस्थान पढ़ाई के नाम पर छीन सकते हैं और न ही परिजन अपने सपनों और सामाजिक पद-प्रतिष्ठा के नाम पर! कोटा जिसे एक समय तक 'एजुकेशन हब' कहा जाता रहा है। वहां हो रही बच्चों की मौत के आंकड़े को देखेंगे तो साधारणतया पाएंगे कि बच्चे मानसिक तनाव, सामाजिक प्रेशर और आर्थिक मजबूरी की वजह से आत्महत्या को गले लगाने को मजबूर हैं। स्वाभविक सी बात है कि, कोई दूर-दराज का ग़रीब या मध्यम वर्ग का लड़का कोटा जैसे शहर में पढ़ने के लिए जाता है तो उसे कई स्तर पर समस्याओं से दो-चार होना पड़ता है। उसके लिए घर-परिवार का दबाव हो सकता है। सामाजिक प्रतिष्ठा उसके मन को उद्वेलित कर सकती है। बच्चे के माता-पिता कर्ज लेकर उसे पढ़ाई के लिए भेजते हैं, तो उसके सामने आर्थिक मजबूरी आड़े आ सकती है कि अगर कामयाब नहीं हुए तो फिर घर-परिवार वालों पर क्या बीतेगी? इसके अलावा भावनात्मक रूप से भी जब बच्चा घर से पहली बार बाहर निकलता है तो उसके संवेग उसे प्रभावित करते हैं। इसी बीच अगर बच्चा पढ़ाई में एक बार पीछे छूट गया तो फिर वह चाहकर भी अग्रिम पंक्ति में नहीं आ सकता और रिपोर्ट्स में यह बात सामने आ रही है कि बच्चों के द्वारा मौत को गले लगाने का एक कारण कोचिंग संस्थानों द्वारा लिए जाने वाले टेस्ट में पिछड़ जाना है। छात्रों की खुदकुशी की अकेली वजह-निश्चित सफलता के लिए बेहतर न कर पाने का दुसह्य दबाव तो है ही। आंकड़ों की मानें तो 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों की आत्महत्या के कारणों में से 30 फ़ीसदी बच्चे पारिवारिक समस्या के चलते मौत को गले लगाते हैं, जबकि 8 फ़ीसदी बच्चे परीक्षा में असफ़ल होने के डर से आत्महत्या कर लेते हैं। अभिभावकों को अपने बच्चों को यह समझाना होगा कि परीक्षा जीवन का एक हिस्सा होती है, पर परीक्षा को ही जीवन मान लेना सही नहीं है। दुनिया में ऐसा कोई रिपोर्ट कार्ड नहीं बना जो किसी के भविष्य को तय कर सके।

(स्वतंत्र लेखिका एवं शोधार्थी हैं ये उनके अपने विचार हैं।)

महिला आरक्षण

प्रमोद भार्गव

नारी शक्ति का अभिनंदन

केंद्र सरकार ने गणेश चतुर्थी के दिन यह शुभ पहल करके देश की आधी आबादी का अभिनंदन किया है। लोकसभा में 27 साल से लंबित 'नारी शक्ति वंदन विधेयक' नाम से महिला आरक्षण संबंधी विधेयक पेश कर दिया। कानून बनने के बाद संसद के दोनों सदनों व विधानसभाओं में महिलाओं की भागीदारी 33 प्रतिशत हो जाएगी। वर्तमान स्थिति के हिसाब से लोकसभा में महिलाओं के लिए 181 और राज्य विधानसभाओं में 1374 सीटें आरक्षित हो जाएंगी। इन सीटों पर महिला प्रत्याशी ही चुनाव लड़ सकेंगी। फिलहाल इस आरक्षण की सुविधा 15 वर्ष के लिए होगी, लेकिन मांग के अनुसार इसे बढ़ाया भी जा सकता है।

भारतीय परंपरा में किसी नए भवन में स्त्री का प्रवेश शुभ माना जाता है। इसी दृष्टिकोण के चलते संसद के नए भवन में पहला पग महिलाओं के सम्मान में उठा है। केंद्र सरकार ने गणेश चतुर्थी के दिन यह शुभ पहल करके देश की आधी आबादी का अभिनंदन किया है। लोकसभा में 27 साल से लंबित 'नारी शक्ति वंदन विधेयक' नाम से महिला आरक्षण संबंधी विधेयक पेश कर दिया। कानून बनने के बाद संसद के दोनों सदनों व विधानसभाओं में महिलाओं की भागीदारी 33 प्रतिशत हो जाएगी। वर्तमान स्थिति के हिसाब से लोकसभा में महिलाओं के लिए 181 और राज्य विधानसभाओं में 1374 सीटें आरक्षित हो जाएंगी। इन सीटों पर महिला प्रत्याशी ही चुनाव लड़ सकेंगी। फिलहाल इस आरक्षण की सुविधा 15 वर्ष के लिए होगी, लेकिन मांग के अनुसार इसे बढ़ाया भी जा सकता है। इसी साल पांच राज्य विधानसभाओं के अलावा मई 2024 में लोकसभा के चुनाव भी होने हैं, इसलिए नारी सशक्तिकरण के इस उपाय को महिला मतदाताओं के ध्रुवीकरण के साधन के रूप में भी देखा जा रहा है। देश में इस समय करीब 44 करोड़ महिला मतदाता हैं। हालांकि यह विधेयक दोनों सदनों से पारित हो भी जाता है तब भी इसे नई जनगणना और नए परिसीमन के बाद 2026 से लागू करने का प्रस्ताव रखा गया है, इसलिए कालांतर में होने वाले चुनावों में इसे अमल में तो नहीं लाया जा सकेगा, लेकिन भाजपा के लिए महिला मतदाताओं को आकर्षित करने का काम यह विधेयक अवश्य कर जाएगा।

इसके कानून बनते ही ऐसे कई दोहरे चरित्र के चेहरे हाशिये पर चले जाएंगे, जो पिछड़ी और मुस्लिम महिलाओं को आरक्षण देने के प्रावधान के बहाने, गाहे-बगाहे बीते 27 साल से गतिरोध पैदा किए हुए थे। महिला आरक्षण विधेयक का मूल प्रारूप संयुक्त मोर्चा सरकार के कार्यकाल के दौरान गीता मुखर्जी ने तैयार किया था, लेकिन अक्सर इस विधेयक को लोकसभा सत्र के दौरान अंतिम दिनों में पटल पर रखा गया। इससे यह संदेह हमेशा बना रहा कि एचडी देवगौड़ा, इन्द्रकुमार गुजराल और अटलबिहारी वाजपेयी सरकारें गठबंधन के दबाव और राजनीतिक असहमतियों के चलते ठोस इच्छा शक्ति नहीं जता पाई थीं। हालांकि 9 मार्च 2010 में कांग्रेस की मनमोहन सिंह सरकार ने जरूर इस विधेयक को राज्यसभा में पेश कर पास करा लिया था, लेकिन मनमोहन सिंह इसे लोकसभा से पारित नहीं करा पाए थे, जबकि उनके पास लोकसभा में स्पष्ट बहुमत था। इस सरकार को अपने ही सहयोगी दलों के जबर्दस्त विरोध का सामना करना पड़ा था। सहयोगी गठबंधन के सांसदों ने पिछड़ी और मुस्लिम महिलाओं को आरक्षण देने के प्रावधान के बहाने, इस विधेयक को अटका दिया था। यहां तक कि समर्थक दलों ने कांग्रेस को समर्थन वापसी की धमकी भी दे दी थी। हालांकि प्रजातंत्र में तार्किक असहमतियां, संवैधानिक अधिकारों व मूल्यों को मजबूत करने का काम करती हैं, लेकिन असहमतियां जब मुट्ठीभर सांसदों की अतार्किक हठधर्मिता का पर्याय बन जाएं तो ये संसद की गरिमा और सदन की शक्ति को

ठेंगा दिखाने वाली साबित होती हैं। उस समय विधेयक से असहमत दलों की प्रमुख मांग थी 33 फीसदी आरक्षण के कोटे में पिछड़े और मुस्लिम समुदायों की महिलाओं को विधान मंडलों में आरक्षण का प्रावधान रखा जाए, जबकि संविधान के वर्तमान स्वरूप में केवल अनुसूचित जाति और जनजाति के समुदायों को आरक्षण की सुविधा हासिल है। ऐसे में पिछड़े वर्ग की महिलाओं को लाभ कैसे संभव है? हमारे लोकतांत्रिक संविधान में धार्मिक आधार पर किसी भी क्षेत्र में आरक्षण की व्यवस्था नहीं है। लिहाजा इस बिनाह पर मुस्लिम महिलाओं को आरक्षण की सुविधा कैसे हासिल हो सकती है? दरअसल इस कानून के वजूद में आ जाने के बाद अस्तित्व का संकट उन कादरविहीन दलों को है, जो व्यक्ति और जाति आधारित दल हैं। इसी कारण लालू, मुलायम और शरद यादव इस बिल के विरोध में दृढ़ता से खड़े हो गए थे। उत्तर प्रदेश और बिहार में जातीयता के बूते क्रियाशील इन यादवों की तिकड़ी का दावा रहता है कि इस अलोकतांत्रिक विधेयक के पास होने के बाद पिछड़ी व मुस्लिम महिलाओं के लिए जम्हूरियत के दरवाजे हमेशा के लिए बंद हो जाएंगे, जबकि इनकी वास्तविक चिंता यह नहीं है? दरअसल 33 फीसदी आरक्षण के बाद सदनों में संख्याबल की दृष्टि से भी इन दलों की ताकत घट जाएगी। यह तय है कि अल्पसंख्यकों की बेहतर नुमाइंदगी की वकालात के इनके दावे थोथे हैं। इन दलों का दोहरा चरित्र इस बात से भी जाहिर होता रहा है कि जब देश की पंचायती राज व्यवस्था में महिलाओं का 33 फीसदी से 50 फीसदी आरक्षण बढ़ाने का विधेयक लाया गया था तब ये सभी दल एक राय थे, लेकिन जब लोकसभा व विधानसभा की बारी आती है तो यही दल गतिरोध पैदा करते हैं, क्योंकि यह विधेयक कानूनी स्वरूप ले लेता है तो इनके निजी राजनीतिक हित प्रभावित होंगे। इनका लोकसभा और विधानसभा में पुरुषवादी वर्चस्व का दायरा 33 फीसदी घट जाएगा। तृणमूल कांग्रेस की ममता बनर्जी ने भी मुस्लिम समुदाय को बरगलाए रखने के नजरिये से इस विधेयक का विरोध किया था। हमारे देश में विकास को आंकड़ों और व्यक्तिगत उपलब्धि को संख्या बल की दृष्टि से देखने-परखने की आदत बन गई है। इस नाते हम मानकर चल रहे हैं कि 543 सदस्यीय लोकसभा में 181 महिलाओं की आमद दर्ज होने और 28 राज्यों की कुल 4123 विधानसभा सीटों में से महिलाओं के खाते में 1374 सीटें चली जाने से देश की समूची आधी आबादी की शक्ल बदल जाएगी।

फिलहाल लोकसभा में 82 महिलाएं सांसद हैं। यह भागीदारी 15 प्रतिशत बैठती है। वहीं राज्यसभा में 29 महिला सांसद हैं, जो मात्र 12 प्रतिशत है। एक तिहाई आरक्षण लागू होने के बाद लोकसभा में महिलाओं की संख्या बढ़कर 181 और राज्यसभा में 73 हो जाएगी। 1952 में गठित पहली लोकसभा में सिर्फ 4.4 प्रतिशत यानी 489 में से महज 22 महिलाएं सांसद थीं। विधानसभाओं में महिला विधायकों की उपस्थिति केवल 9 फीसदी है। हालांकि असमानता के ये हालत पंचायती राज लागू होने और उसमें महिलाओं की 33 और फिर 50 फीसदी आरक्षण सुविधा मिलने के बावजूद कायम हैं। लेकिन लोकसभा व विधानसभाओं में एक तिहाई महिलाओं की उपस्थिति इसलिए जरूरी है, जिससे वे कारगर हस्तक्षेप कर महिला की गरिमा तो कायम करें ही देश में जो पुरुष की तुलना में स्त्री का अनुपात गड़बड़ा रहा है, उसको भी समान बनाने के उपाय तलाशें? साथ ही महिला संबंधी नीतियों को अधिक उदार व समावेशी बनाने की दृष्टि से उनकी रचनात्मक प्रतिबद्धता भी दिखाई दे। इस विधेयक के प्रारूप में तत्काल आरक्षण का प्रावधान नहीं है। गोया, विधेयक पारित हो जाने के बावजूद 2026 से 33 प्रतिशत आरक्षण की सुविधा देश की आधी आबादी को प्राप्त होगी।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **edit@haribhoomi.com** पर दे सकते हैं।

योग जीवन का मार्ग करता है प्रशस्त

संकलित

दर्शन

योग प्रकृति की स्वतः स्फूर्त प्रक्रिया है। योग के ही चलते मां के गर्भ में आना और जीवन धारण करना संभव होता है। उसके बाद जन्म लेते ही सांसारिक-योग आरंभ होता है। घर-परिवार और समाज के साथ योग जीवन का मार्ग प्रशस्त करता है तथा जीवन के समापन पर फिर प्रकृति के साथ तादात्म्य बनाकर विलीन होना भी योग है। ऋषियों ने प्रकृति की गूंज सुनकर उसमें त्रिस्तरीय योग का जो स्वरूप देखा उसमें 'ऊं' शब्द दिखाई पड़ा। इस 'ऊं' में 'अ', 'उ' और 'म' का योग है। गर्भ में अस्तित्व में आना 'अ', जन्म के बाद उत्थान 'उ' तथा मृत्यु 'म' का संयुक्त होना भी योग है। ऋषियों ने अंतिम अक्षर 'म' को हलंत कर आधा इसलिए कर दिया, क्योंकि मनुष्य की मृत्यु पूरी नहीं होती। पंच भौतिक शरीर प्राकृतिक पदार्थों के साथ योग कर पुनः अनंत में विलीन हो जाता है, जबकि आत्मा जीवंत रहता है और पुनः नए शरीर के साथ योगभाव में आता है। प्राकृतिक योग को भी देखा जाए तो क्षिति तत्व धरती के साथ योगनिष्ठ होकर धरती में मिल जाता है, अग्नि आकाश की ओर अपने देही सूर्य के साथ योग करने को ऊपर की ओर उठती है तो जल, जल के साथ, वायु, वायु के साथ तथा गगन तत्व शून्य के साथ योग-भाव में हो जाता है। इस तरह देखा जाए तो कदम-कदम पर योग का प्रकट भाव दिखाई पड़ता है। मानव शरीर के अंदर और बाहर जो योग हो रहा है, उसे नियमित जीवन में अपनाकर कोई भी व्यक्ति उर्ध्वमुखी जीवन प्राप्त कर सकता है।

श्रमरहित पराश्रित जीवन विकास के द्वार करता है बंद

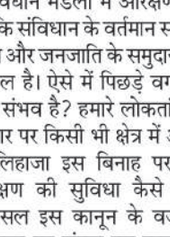

संकलित

प्रेरणा

महर्षि वेदव्यास ने एक कीड़े को तेजी से भागते हुए देखा। उन्होंने उससे पूछाः हे क्षुद्र जंतु, तुम इतनी तेजी से कहाँ जा रहे हो? उनके प्रश्न ने कीड़े को चोट पहुंचाई और वह बोलाः हे महर्षि, आप तो इतने ज्ञानी हैं। यहां क्षुद्र कौन है और महान कौन? क्या इस प्रश्न और उसके उत्तर की सही-सही परिभाषा संभव है? कीड़े की बात ने महर्षि को निरुत्तर कर दिया। फिर भी उन्होंने उससे पूछाः अच्छा यह बताओ कि तुम इतनी तेजी से कहाँ जा रहे हो? कीड़े ने कहाः मैं तो अपनी जान बचाने के लिए भाग रहा हूँ। देख नहीं रहे, पीछे से कितनी तेजी से बैलगाड़ी चली आ रही है। कीड़े के उत्तर ने महर्षि को चौंकाया। वे बोले, तुम तो इस कीट योनि में पड़े हो। यदि मर गए तो तुम्हें दूसरा और बेहतर शरीर मिलेगा। इस पर कीड़ा बोलाः महर्षि, मैं तो इस कीट योनि में रहकर कीड़े का आचरण कर रहा हूँ, परंतु ऐसे प्राणी असंख्य हैं, जिन्हें विधाता ने शरीर तो मनुष्य का दिया है, पर वे मुझसे भी गया-गुजरा आचरण कर रहे हैं। कीड़े की बातों में महर्षि को सत्यता नजर आई। वे सोचने लगे कि वाकई जो मानव जीवन पाकर भी देहासक्ति और अहंकार से बंधा है, जो ज्ञान पाने की क्षमता पाकर भी ज्ञान से विमुख है, वह कीड़े से भी बदतर है। महर्षि ने कीड़े से कहाः नन्हें जीव, चलो हम तुम्हारी सहायता कर देते हैं। कीड़ा बोलाः किंतु मुनिवर श्रमरहित पराश्रित जीवन विकास के द्वार बंद कर देता है। कीड़े के कथन ने महर्षि को ज्ञान का नया संदेश दिया।

शंख फूंकता साधु

मध्य प्रदेश के खंडवा जिले के ओंकारेश्वर में एक साधु ने हिंदू संत आदि शंकराचार्य की 108 फीट ऊंची प्रतिमा, जिसका नाम एकात्मता की प्रतिमा (एकता की प्रतिमा) है, के अनावरण समारोह के दौरान शंख बजाया।

आज की पाती

विश्व शांति दिवस का उद्देश्य

संयुक्त राष्ट्र ने मानवता के लिए सभी मतभेदों से ऊपर उठने, शांति के लिए प्रतिबद्ध होने और संस्कृति के निर्माण में योगदान करने के उद्देश्य से विश्व शांति दिवस मनाने का निर्णय लिया था। साल 2001 में 21 सितंबर को विश्व शांति दिवस मनाए जाने की घोषणा की थी। इस दिन सफेद कबूतरों को उड़ाकर शांति का पैगाम भी बहुत से देशों द्वारा दिया जाता है। हमारा देश हमेशा ही शांति और अहिंसा की राह पर चलता आ रहा है। शांति की भावना से भी हमारा देश विश्व गुरु है। जबकि दूसरे बहुत से देशों में अशांति का माहौल बना रहता है। ऐसे देशों को भारत से शांति की शिक्षा लेनी चाहिए। इस वर्ष इस दिवस का थीम 'शांति के लिए कार्रवाई, वैश्विक लक्ष्यों के लिए हमारी महत्वाकांक्षा' है। इसका आह्वान यह है कि यह शांति को बढ़ावा देने के लिए व्यक्तिगत और सामूहिक जिम्मेदारी को पहचानता है। *– अभय तिवारी, रायगढ़*

ट्रेंड

संयुक्त वित्तपोषण हल ढूंढें

जो देश उचित शर्तों पर वित्तपोषण प्राप्त कर सकते है और जो नही कर सकते, उनके बीच एक स्पष्ट और बढ़ता विभाजन है। हमें संकट के क्षण को अवसर में बदलना चाहिए और वैश्विक एकजुटता के पुनर्निर्माण के लिए संयुक्त वित्तपोषण हल ढूंढना चाहिए।

-एंटोनियो गुतरेस, यूएन महासचिव

गर्व की बात

कर्नाटक, भारत और मानवता के लिए बहुत गर्व की बात है। बधाई हो। होयसल की पवित्र मंडली मानवीय क्षमता, सरलता और दूरदर्शिता के प्रति एक श्रद्धांजलि है। वे इसे याद दिलाते हैं कि मनुष्य बड़े दृष्टिकोण से क्या हासिल कर सकता है।

-सदगुरु, आध्यात्मिक गुरु

कुछ भी करेंगे

भारत सरकार ने हत्या में शामिल होने से इंकार किया है, लेकिन पीएम मोदी के तहत, यह घर पर असहिष्णु और विदेशों में आक्रामक हो गई है, जैसे कि विदेशी धरती पर हत्याएं इसके एजेंडे का अकल्पनीय हिस्सा नहीं है। मोदी की सरकार असंतुष्टों को चुप कराने के लिए कुछ भी करेंगे।

-प्रशांत भूषण, वरिष्ठ अधिवक्ता

सीखने के लिए बहुत कुछ

वह सिर्फ बॉलीवुड के ही नहीं बल्कि दिलों के भी राजा हैं। जब भी हम मिलते हैं मैं असीम प्यार और सम्मान के साथ वापस जाता हूं। आपसे सीखने के लिए बहुत कुछ है। केवल सबसे अच्छा शाहरुख खान।

-गौतम गंभीर, भाजपा नेता

करंट अफेयर

ईरान की संसद में हिजाब के लिए सख्त कानून पास

ईरान की संसद ने एक विधेयक पारित किया है जिसमें सार्वजनिक स्थानों पर हिजाब पहनने से इनकार करने वाली महिलाओं तथा उनका साथ देने वालों पर भारी जुर्माने का प्रावधान है। ईरान ने यह कदम 22 वर्षीय महसा अमीनी की मौत के एक वर्ष पूरा होने के कुछ वक्त बाद उठाया है। महसा अमीनी को इस्लामिक परिधान परंपरा का पालन नहीं करने के आरोप में 'मोरैलिटी पुलिस' ने हिरासत में लिया था। बाद में अमीनी की पुलिस हिरासत में मौत हो गई थी। घटना के विरोध में देश में कई महीनों तक प्रदर्शन हुए थे और सत्ता विरोधी स्वर भी तेज हुए थे। हिजाब को लेकर पारित इस विधेयक में हिजाब नहीं लगाने पर महिलाओं पर भारी जुर्माने के अलावा उन कारोबारियों को भी दंड देने का प्रावधान है जो हिजाब नहीं पहनीं महिलाओं को सामान बेचते हैं या अन्य प्रकार की सेवाएं देते हैं। इस विधेयक के खिलाफ लामबंद होने पर अधिकार कार्यकर्ताओं को भी दंडित किए जाने की प्रावधान है। दोषियों को इन अपराधों के लिए दस वर्ष तक के कारावास का प्रावधान है। ईरान की 290 सदस्यीय संसद में 152 सांसद इसके पक्ष में थे।

ऑफ बीट

अल्जाइमर का रक्त परीक्षण से चल सकता है जल्दी पता

किसी व्यक्ति में अल्जाइमर रोग का निदान करने के लिए इन सभी लक्षणों का मौजूद होना जरूरी नहीं है, हालांकि मस्तिष्क में एमाइलॉइड-बीटा प्लाक और/या तो उलझनों की उपस्थिति आवश्यक है। इसके विपरीत, कुछ लोगों में बायोमार्कर परिवर्तन हो सकते हैं लेकिन कभी भी अल्जाइमर रोग के लक्षण विकसित नहीं हो सकते हैं। चूँकि मस्तिष्क में अन्य लक्षण प्रकट होने से वर्षों पहले रक्त में इन बायोमार्कर परिवर्तनों का पता लगाया जा सकता है, यह अल्जाइमर रोग का निदान करने का एक तेज़ और कम आक्रामक तरीका प्रदान कर सकता है। रक्त परीक्षण वर्तमान में खरीद के लिए उपलब्ध अधिकांश रक्त परीक्षण रक्त में दो अलग-अलग प्रकार के अमाइलॉइड-बीटा को मापते हैं: अमाइलॉइड-बीटा 42 और अमाइलॉइड-बीटा 40 । फिर इन दो प्रोटीनों के बीच अनुपात की गणना की जाती है। यह अनुपात जितना कम होगा, व्यक्ति में अमाइलॉइड प्लाक और इसलिए अल्जाइमर रोग होने की संभावना उतनी ही अधिक होगी। ऐसा ही एक परीक्षण, प्रीसीविटीएडी, डॉक्टरों द्वारा अमेरिका में अल्जाइमर के लक्षण प्रदर्शित करने वाले लोगों में उपयोग करने के लिए अनुमोदित किया गया है।

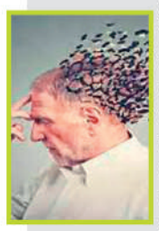

एक नज़र

मण्डल की सम्पतियां एवं कोष को बचाने हेतु आवासन बोर्ड कर्मचारी संघ द्वारा विरोध प्रदर्शन

हिलव्यू समाचार

जयपुर। राज्य सरकार द्वारा मण्डल से 1000 करोड रूपये लिये जाने के विरोध में आवासन बोर्ड कर्मचारी संघ द्वारा प्रदेश के सभी मण्डल वृत्त/स्वतंत्र खण्ड कार्यालयों पर काले कपडे पहनकर नारेबाजी कर विरोध प्रदर्शन किया गया। संघ द्वारा आव्हान किया गया कि मण्डल अधिनियम 1970 में किसी भी विभाग अथवा संस्था को जबरन राशि दिए जाने का कोई प्रावधान नहीं है। उसके उपरान्त मण्डल प्रशासन सरकार को राशि देने पर आमदा है। जिससे कर्मचारियों में रोष व्याप्त है। यदि सरकार नहीं मानी तो आंदोलन उग्र रूप से किया जायेगा।

कर्मचारी संघ के अध्यक्ष दशरथ कुमार कार्यकारी अध्यक्ष भगवती प्रसाद प्रदेश महामंत्री प्रदीप शर्मा एवं संघर्ष समिति संयोजक रमेश चन्द शर्मा ने बताया कि विगत चार वर्षो में मण्डल की 30000 करोड की सम्पतियां आधी से भी कम राशि में विक्रय करने के पश्चात भी मण्डल कोष में केवल 900 करोड रूपये की राजस्व प्राप्ति के पश्चात मण्डल को करोडो रूपयों की वित्तीय हानि का सामना करना पड रहा है। मण्डल की वर्तमान में 2700 करोड रूपये की देनदारियां है और मण्डल कोष में मात्र 1800 करोड रूपये जमा है। जिसके बावजूद भी राज्य सरकार मण्डल कोष से 1000 करोड रूपये की जबरन लेकर आरएसपीएफ एण्ड एफएसपीएल में जमा कराना चाहता है। संघर्ष समिति संयोजक रमेश चन्द शर्मा एवं उपाध्यक्ष पंकज गर्ग ने राज्य सरकार की हठधर्मिता के कारण मण्डल की स्थिति दयनीय होने के साथ ही विधायक निवास में दी गई छुट शिक्षक/प्रहरी आवास योजना में दी गई छुट मुख्यमंत्री जन आवास योजना तथा प्रशासन शहरों की ओर आदि योजना में दी गई छुट राशि से मण्डल को करोडो की राजस्व की हानि उठानी पड रही है।

संघ के संयुक्त महामंत्री गोविन्द नाटाणी ने बताया कि जिस जमीन पर सीटी पार्क और म्यूजिकल फाउण्डटेन विकसित किया जा रहा है एवं मेट्रों की दी गई जमीन के बदले भी आज तक मण्डल को कोई जमीन मिली है। मण्डल द्वारा राज्य सरकार से 544 करोड की भूमि आज तक प्राप्त नहीं हुई है और न ही आईपीडी टॉवर के निर्माण में मण्डल ने जो राशि दी है उसका भी आज तक पूनर्भरण सरकार द्वारा नहीं किया गया है। जिससे कर्मचारियों एवं अधिकारियों में आक्रोश है। राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ द्वारा 15 सूत्रीय मांगों के समर्थन में की गई संघर्ष की घोषणा के अनुरूप कर्मचारी दिनांक 18.09.2023 से दिनांक 23.09.2023 तक प्रत्येक दिन काले कपडे पहनकर ही कार्यालय में उपस्थित होकर सरकार का विरोध करेंगे। साथ ही मण्डल बचाओ अभियान के लिये भी संघर्षरत रहेंगे। प्रदर्शन में कार्यालय मंत्री मो. युसुफ खान प्रचारमंत्री मनुज ठाकुर मुख्यालय कोषाध्यक्ष अनुप कुमार मिश्रा कार्यकारिणी सदस्य जगमोहन यदुवंशी नवलकिशोर शर्मा मधुर मलिक गणेश सिंह धर्मेन्द्र माथुर सीताराम गोठवाल जयसिंह सहित कई कर्मचारी शामिल हुए।

छात्रा पूर्णिमा का राज्य स्तरीय हैमर थ्रो में चयन

जालौर (हिलव्यू समाचार)। रामसीन कस्बे के आदर्श विद्या मंदिर माध्यमिक रामसीन की छात्रा पूर्णिमा कुमारी पुत्री गिरधारीलाल ने प्रांत स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में प्रांत स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करते हुए राज्य स्तर में चयन हुआ। छात्रा पायल कुमारी पुत्री बाबूराम देवासी ने 3000 मीटर दौड़ में प्रांत स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त किया । प्रांत स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता माजीवाला में आयोजित हुई। टीम के साथ प्रभारी गोविंदराम विद्यालय पहुंचने पर प्रधानाचार्य भरत वैष्णव व विद्यालय स्टाफ सहित छात्र - छात्राओ ने स्वागत किया। विजेता टीम विद्यालय आने के बाद अभिभावकों सहित ग्रामीणों ने भी खिलाडियों का हौसला बढ़ाते हुए स्वागत किया।

निर्वाचन विभाग ने की नई पहल, 80 वर्ष से अधिक के लोगों एवं दिव्यांगों को मिलेगा फायदा

चुनावों में वरिष्ठजन घर बैठे डाल सकेंगे वोट

हिलव्यू समाचार

जयपुर। प्रदेश में पहली बार विधानसभा आम चुनावों में 'होम वोटिंग' की पहल की गई है। इसके अनुसार 80 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिक एवं 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांग श्रेणी के विशेष योग्यजन मतदाता घर बैठे मतदान कर सकेंगे। प्रदेश में इस वर्ष के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव में पात्र 18.05 लाख मतदाताओं को विकल्प के तौर पर ये सुविधा मिल सकेगी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि समावेशी चुनाव की दिशा में आयोग ने यह नवाचार किया है। इसके तहत बूथ लेवल अधिकारी द्वारा घर-घर जाकर होम वोटिंग की सुविधा के लिए योग्य मतदाताओं को इसके संबंध में जानकारी उपलब्ध करवाई जा रही है। इसकी पूरी जानकारी जुटाने के बाद सभी बूथों पर यह सुविधा लागू की जाएगी। इससे मतदान केन्द्र तक नहीं पहुंच पाने वाले वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजनों को घर बैठे मतदान करने की सुविधा मिल सकेगी।

योग्य मतदाता को अधिसूचना जारी होने के 5 दिन के अंदर ही देना होगा फॉर्म

मुख्य निर्वाचन अधिकारी गुप्ता ने बताया कि यह सुविधा विकल्प के रूप में है। योग्य मतदाता यदि इस सुविधा का चयन करना चाहते हैं तो उन्हें चुनाव अधिसूचना जारी होने के 5 दिन के अंतराल में बीएलओ की ओर से दिए गए 12-डी फॉर्म को भरकर देना होगा। गुप्ता ने बताया कि होम वोटिंग का विकल्प चयन करने वाले इन मतदाताओं की सूची निर्वाचक अधिकारी द्वारा सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को उपलब्ध कराई जाएगी। इसके लिए गठित मतदान दल इन मतदाताओं को पोस्टल बैलेट के जरिए मतदान करवाएगा। गौरतलब है कि प्रदेश में 80 वर्ष से अधिक आयु के 12 लाख 13 हजार 817 मतदाता एवं विशेष योग्यजन के रूप में 5 लाख 95 हजार मतदाता पंजीकृत हैं।

चुनाव तैयारी की समीक्षा बैठक लेंगे मुख्य निर्वाचन आयुक्त

निर्वाचन आयोग के मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार के नेतृत्व में फुल कमीशन इस महीने राजधानी आएगा, जो 29, 30 सितंबर एवं 1 अक्टूबर को विधानसभा चुनाव तैयारी की समीक्षा बैठक लेंगें। इसमें चुनाव आयुक्त अनुप चंद्र पांडे और अरुण गोयल के साथ वरिष्ठ उपयुक्त धर्मेंद्र शर्मा और नीतेश कुमार व्यास के अलावा उपायुक्त अजय भादू, हृदयेश कुमार और मनोज कुमार साहू आएंगे। इसके अलावा डीजी मीडिया बी. नारायण, निदेशक पंकज श्रीवास्तव और संतोष अजमेरा के अलावा संयुक्त सचिव अनुज चांडक, सचिव अश्वनी कुमार के अलावा अंडर सेक्रेटरी चंद्र प्रकाश सहित अन्य अधिकारी भी आएंगे।

एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक ने मैक्स लाइफ के साथ की साझेदारी

नए जमाने के डिजिटल ग्राहकों को आसानी से मिलेगा जीवन बीमा समाधान

हिलव्यू समाचार

जयपुर। भारत के लीडिंग स्माल फाइनेंस बैंक, एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक (एयू एस.एफ.बी.) ने अपने तकनीक पसंद करने वाले (टेक-सेवी) ग्राहकों की लगातार बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए एक बड़ा रणनीतिक कदम उठाया है। इस कदम के तहत एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक ने मैक्स लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड ('मैक्स लाइफ'/ 'कंपनी') के साथ बैंकाश्योरेंस अलाइंस किया है। यह सहयोग एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक के डिजिटल ग्राहकों को मैक्स लाइफ द्वारा पेश की जाने वाली हर तरह की जीवन बीमा योजनाएँ मुहया कराएगा। यह साझेदारी डिजिटल-फर्स्ट की सोच को अपनाने और ग्राहक-केंद्रित फोकस के साथ अनूठी वित्तीय सेवाएं प्रदान करने के लिए दोनों संस्थाओं की अटूट प्रतिबद्धता को दिखाती करती है।

ग्राहकों के मन में अपने प्रति भरोसा कायम करने की अपनी 28 साल की विरासत के साथ, एयू एसएफबी ने ग्रामीण और अर्ध-शहरी (सेमी-अर्बन) बाजारों में ग्राहकों की जरूरतों को बारीकी से समझा है और इन क्षेत्रों की जरूरतों के अनुरूप उत्पाद (प्रोडक्ट) और सेवाओं (सर्विसेज) का निर्माण किया है। अपने डिजिटल आउटलुक और इनोवेटिव उत्पादों और सेवाओं की सहायता से, एयू एसएफबी तेजी से अपने कस्टमर बेस का विस्तार कर रहा है, जिसमें हर साल 10 लाख ग्राहक जुड़ रहे हैं। यह 21 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों में फैले 1040 टच पॉइंट्स के बढ़ते नेटवर्क द्वारा समर्थित है।

इस साझेदारी पर एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर, उत्तम टिबरेवाल ने कहा, "देश के लोगों तक बीमा की पहुंच बढ़ाना केंद्र सरकार का मुख्य फोकस रहा है और पॉलिसी लेवल पर पेश किए गए कई बदलाव वाकई में काफी प्रोग्रेसिव (प्रगतिशील) हैं। आई.आर.डी.ए के हाल ही में जारी किया दिशा निर्देश, जिसमें बैंकाश्योरेंस साझेदारों की संख्या में 3 से 9 तक विस्तार शामिल है, सकारात्मक रहा है और 2027 तक भारत में बीमा पहुँच 4.2% (प्रीमियम टु जीडीपी) से 8-10% तक बढ़ाने के लक्ष्य को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। मैक्स लाइफ इंश्योरेंस के साथ हमारा सहयोग इसी सोच के साथ पूरी तरह से मेल खाता है और इस साझेदारी के जरिए नए यानी इनोवेटिव के साथ ऐसे उत्पादों तक पहुंच प्रदान करता है जो ग्राहकों को आसानी से समझ में आते हैं और उन्हें इस्तेमाल करना आसान हो। इसके जरिए एयू एसएफबी के ग्राहकों की वित्तीय स्थिति को और बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। हमारा लक्ष्य अपने मोबाइल बैंकिंग ऐप – एयू 0101, नेट-बैंकिंग, वीडियो बैंकिंग और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से बिना किसी परेशानी या रुकावट बीमा खरीद अनुभव प्रदान करना है। यह साझेदारी हमारे ग्राहकों को उनकी सभी वित्तीय जरूरतों के लिए पसंदीदा डिजिटल वित्तीय भागीदार बनने के साथ-साथ हमारी 'बैंकिंग भी, बीमा भी' की सोच को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

मैक्स लाइफ के डिप्टी मैनेजिंग डायरेक्टर वी. विश्वानंद ने कहा कि, "मैक्स लाइफ अपनी उपस्थिति को और अधिक विस्तार देने की महत्वाकांक्षा के साथ ऑनलाइन बीमा क्षेत्र में अग्रणी कंपनी है। यह 'डिजिटल-फर्स्ट' साझेदारी एक महत्वपूर्ण कदम है क्योंकि यह हमें नए जमाने के ग्राहकों के लिए ऑनलाइन बीमा खरीद को आसान बनाने के लिए D2C विशेषज्ञता का लाभ उठाने में सक्षम बनाती है। हम उन अवसरों को लेकर उत्साहित हैं, जिसका रास्ता इस साझेदारी के जरिए हमारे लिए खुल रहा है और अपने कस्टमर बेस के लिए वित्तीय रूप से सुरक्षित भविष्य बनाने के लिए बैंक के साथ काम करने के लिए उत्साहित हैं।"

एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक की बढ़ती डिजिटल क्षमताओं का उपयोग करके और डिजिटल बीमा में मैक्स लाइफ इंश्योरेंस की विशेषज्ञता का लाभ उठाते हुए, यह सहयोग ग्राहकों के लिए जीवन बीमा की पहुंच और सुविधा को बढ़ाने का प्रयास करता है। ग्राहकों को उनकी जीवन यात्रा के हर चरण में संयुक्त रूप से सेवा देकर, यह साझेदारी एक मजबूत डायरेक्ट-टू-कस्टमर (D2C) प्लेटफॉर्म के निर्माण की कल्पना करती है। यह मंच इनोवेशन द्वारा संचालित डिजिटल जीवन बीमा बिजनेस का विस्तार करने और ग्राहक के साथ जुड़ाव को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

CEWS और कला मंज़र ने सयुंक्त रूप से मनाया हिन्दी दिवस

हिलव्यू समाचार

जयपुर। 14 सितम्बर 2023 को कला मंज़र संस्था द्वारा सेंटर फॉर एम्पावरमेंट ऑफ वीकर सेक्शन(CEWS) राजस्थान द्वारा संचालित निःशुल्क सायंकालीन पाठशाला के बच्चों के साथ हिन्दी दिवस मनाया गया। CEWS राजस्थान की संरक्षक सीमा हिंगोनिया ने बताया कि इस समय राज्य में CEWS के 7 केंद्रों पर इस तरह की पाठशालाएं चल रही हैं जिनमे से 2 जयपुर में है शेष जोधपुर,अलवर,चुरू,टोंक में संचालित की जा रहीं हैं। कला मंजर संस्था की अध्यक्ष शोभा सक्सेना ने बताया कि बच्चों को हिंदी दिवस की सामान्य जानकारी दी गई व हिन्दी कहानियों की किताबें वितरित की गईं और बच्चों ने स्वयं इन कहानियों का वाचन भी किया साथ ही उन्हें इन कहानियों से मिलने वाली शिक्षा भी समझाई गई। डॉ अलका राव ने बच्चो से जल और जलन , स्वच्छता , पौष्टिक भोजन आदि नैतिक मूल्यों पर बड़े ही रोचक ढंग से बात करी और खेल भी खिलवाये। संस्था की महासचिव मीनाक्षी माथुर ने कहा कि संस्था का मुख्य उद्देश्य दलित , दिव्यांग व ग्रामीण बच्चों के चहुँमुखी विकास के लिए प्रयास करना व उनकी प्रतिभा को मंच उपलब्ध करवाना है।

खींवसर में लाइमस्टोन का 163.77 टन का भंडार मिला

हिलव्यू समाचार

जयपुर। प्रदेश के खनिज उत्पादन सेक्टर के लिए बड़ी खुशखबरी आई है। नागौर जिले के खींवसर तहसील में सीमेंट और लोहा-इस्पात बनाने के काम में आने वाले चूना पत्थर के भण्डार मिले हैं। गुरुवार को अतिरिक्त मुख्य सचिव माइंस, पेट्रोलियम एवं उद्योग वीनू गुप्ता ने यह जानकारी दी है।

उन्होंने बताया कि नागौर जिले के खींवसर तहसील में लाईमस्टोन के 163.77 मिलियन टन के नए भण्डार मिले हैं। इससे पहले नागौर के ही नागौर और डेह तहसील में हरीमा, खेतोला, पीथासिया, सरासनी, सोमणा और खेतोलाव आदि में 335 लाख मिलियन टन लाइमस्टोन के भण्डार मिले। इनके 21 ब्लॉकों की नीलामी जारी है।

एसीएस माइंस वीनू गुप्ता ने बताया कि आरएसएमईटी द्वारा इस क्षेत्र में ऑक्शन के लिए 51 ब्लॉक तैयार कर लिए गए हैं। राज्य सरकार द्वारा इसके लिए आवश्यक नोटिफिकेशन जारी कर दिया गया है। इससे प्रदेश में सीमेंट उद्योग को बूम मिलने के साथ ही उद्योग, रोजगार और राजस्व को पर लगेंगें।

राज्यपाल ने महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय के नए प्रशासनिक भवन एवं सचिवालय का किया लोकार्पण

शिक्षा और शोध की संस्कृति के नए आयाम करें स्थापित: मिश्र

हिलव्यू समाचार

भरतपुर। राज्यपाल कलराज मिश्र ने रविवार को डीग जिले के कुम्हेर स्थित महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय के नवीन प्रशासनिक भवन एवं कुलपति सचिवालय, का लोकार्पण किया।

इसके साथ ही उन्होंने विश्वविद्यालय के आवासीय परिसर, विद्यार्थी गतिविधि केंद्र, महारानी किशोरी कन्या छात्रावास, स्वामी विवेकानंद छात्रावास, स्वामी दयानंद सरस्वती ट्रांजिट हॉस्टल का शिलान्यास कर अकादमी भवन का भूमि पूजन किया। कार्यक्रम में नई शिक्षा नीति-2020 के तहत स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के एकेडमिक करिकुलम पर कार्यशाला का आयोजन भी किया गया। राज्यपाल मिश्र ने कहा है कि अध्ययन-अध्यापन में युगानुरूप आवश्यकताओं का समावेश आवश्य है।

उन्होंने छात्रों और शिक्षकों से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और मौलिक शोध की संस्कृति के नए आयाम स्थापित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति से जुड़े अकादमिक प्रावधानों को शिक्षक स्वयं समझकर उन्हें विद्यार्थियों के लिए लागू करने की पहल नहीं करेगा तब तक इस नीति की मूल मंशा को हम चरितार्थ नहीं कर पाएंगे। उन्होंने शिक्षकों से कहा की वे नई शिक्षा नीति के अंतर्गत अकादमिक विषय-वस्तु इस तरह से निर्धारित करें कि आत्मनिर्भर भारत की जरूरत के अनुरूप भावी नागरिक तैयार कर सकें। कुलपति प्रो. रमेश चन्द्रा ने विश्वविद्यालय की गतिविधियों से अवगत कराया।

राज्यपाल ने मेहंदीपुर बालाजी के किए दर्शन

राज्यपाल कलराज मिश्र ने रविवार को दौसा जिले में मेहंदीपुर बालाजी के दर्शन किए। इस दौरान मंदिर पुजारियों ने राज्यपाल को बालाजी महाराज की पूजा-अर्चना करवाई। राज्यपाल ने बालाजी महाराज को धोक लगाकर देश और प्रदेशवासियों में खुशहाली की कामना की।

शिक्षा के साथ संस्कारों पर भी ध्यान देना जरूरी

राज्यपाल कलराज मिश्र के मुख्य आतिथ्य में भरतपुर जिले की पंचायत समिति रूपवास के ग्राम खानुआं में आदर्श विद्या मंदिर के नवनिर्मित विद्या भारती विद्यालय के नवीन भवन का लोकार्पण हुआ। राज्यपाल ने इस अवसर पर कहा कि समाज में शिक्षा जितनी जरूरी है, उतना ही संस्कारों के निर्माण पर भी ध्यान देना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि कोई राष्ट्र अपनी संस्कृति और जीवन मूल्यों को बचाए रखने के साथ नई पीढ़ी को इनके लिए तैयार करने का कार्य करता है तभी उसकी सार्थकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजेन्द्र प्रसाद खेतान ने की। वहीं माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष भरतराम कुम्हार, समाजसेवी एवं एआईए की अध्यक्षा डॉ. उर्मिलेश आर्य, डॉ. यशपाल आर्य, महेन्द्र सिंह मग्गो एवं शिव प्रसाद विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान विद्या भारती संस्थान के द्वारा राणा सांगा की प्रतिकात्मक मूरत राज्यपाल को भेंट की गई। इस विद्यार्थियों ने देशभक्ति एवं लोक गीतों पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी।

FASHION जोन

अपने वार्डरोब में सहेजें सदाबहार प्रिंट

कुछ प्रिंट किसी खास ट्रेंड के साथ आते हैं और फिर चले जाते हैं. लेकिन कुछ प्रिंट सदाबहार होते हैं. ये वर्षों चलते हैं. अगर बीच में कभी इनका चलन कुछ कम भी हो गया तो जल्द ही फिर लौटकर आ जाता है. हर किसी के वार्डरोब में कुछ ऐसे प्रिंट जरूर होने चाहिए. ये बहुत कूल और स्टाइलिश लुक देते हैं. आइए जानते हैं कि आप अपने वार्डरोब में कौन-कौन से ऐसे एवरग्रीन प्रिंट सहेज सकती हैं.

एवरग्रीन पोल्का डॉट

फैशन इंडस्ट्री में पोल्का डॉट का ट्रेंड कभी पुराना नहीं पड़ता. इसे लोग कल भी पसंद करते थे, आज भी पसंद करते हैं और आगे भी पसंद करेंगे. यह वाकई एवरग्रीन प्रिंट है, इसलिए आपके वार्डरोब में कम से कम पोल्का डॉट की एक ड्रेस तो होनी ही चाहिए. इसे कुछ लोग बॉबी प्रिंट के नाम से भी जानते हैं, क्योंकि इसे बॉलीवुड की हीरोइन डिम्पल कपाड़िया ने फिल्म 'बॉबी' में पहनकर बहुत लोकप्रिय बना दिया था. शायद यही वजह है कि आज भी नई से नई हीरोइनें पोल्का डॉट की ड्रेस कैरी करना पसंद करती हैं. पोल्का डॉट के साथ एक खूबी यह भी है कि इसे किसी भी हाइट, किसी भी वजन, किसी भी उम्र और त्वचा के रंग की महिलाएं आराम से कैरी कर सकती हैं. इसकी एक खूबी यह भी है कि पोल्का डॉट की ड्रेसेज हर किसी पर अच्छी लगती हैं. पोल्का डॉट की ड्रेसेज आमतौर पर कैजुअल और आरामदायक होती हैं.

कभी नहीं जाता चेक प्रिंट का ट्रेंड

चेक प्रिंट भी बड़ा स्थायी प्रिंट है. यह अलग-अलग समय में डिफरेंट एक्सप्रेशन देता रहा है. एक दौर था जब चेक प्रिंट फिल्मों में सिर्फ सीधे-सादे और गरीब दिखने वाले किरदार पहनते थे. लेकिन अब वक्त बदल गया है. आज की तारीख में ऑफिस गोइंग महिलाएं भी खूब चेक प्रिंट पहनती हैं. यह जितना फीमेल के लिए आम प्रिंट है, उससे कहीं ज्यादा मेल के लिए है. बदलते दौर के सौंदर्यबोध ने चेक प्रिंट के कद्रदानों में इजाफा किया है. पहले इसे खास तौर पर यूथ पसंद करता था,लेकिन अब बच्चों को भी चेक खूब भाता है.अधेड़ उम्र के लोग भी चेक प्रिंट को कैरी करना पसंद करते हैं. युवतियां खास तौर पर चेक के शर्ट, साड़ी और नये डिजाइन में आउटफिट कैरी करती हैं. समर सीजन का तो यह विशेष तौर पर पसंदीदा प्रिंट है. लड़कों को चेक प्रिंट का पैंट खूब भाता है तो वहीं लड़कियां खास तौर पर सूट पसंद करती हैं. फैशन डिजाइनर मानते हैं कि इस साल गर्मियों में चेक प्रिंट की खूब मांग रहने वाली है.

बिगड़ा मूड बना दे फ्लोरल

टॉप हो या शर्ट, साड़ी हो या फिर सूट, फ्लोरल प्रिंट इन दिनों सबसे ज्यादा ट्रेंड में है. यह एक ऐसा प्रिंट है जो एथेनिक लुक देने के साथ-साथ रोमांटिक और मॉडर्न लुक भी देता है. सिर्फ ड्रेसेज ही नहीं, सर्दियों में फ्लोरल लांग ओवरकोट भी आपकी खूबसूरती में चार चांद लगा देते हैं. फ्लोरल प्रिंट में एक अच्छी बात यह भी है कि इसे भी आम या खास कोई भी कैरी कर सकता है और यह सब पर अच्छा लगता है. इसे हर कोई पसंद करता है. सेलिब्रिटीज को भी आजकल फ्लोरल प्रिंट खूब भाता है. इसलिए यह कहने की जरूरत नहीं है कि आपके वार्डरोब में फ्लोरल प्रिंट की भी कोई न कोई ड्रेस जरूर होनी चाहिए. यह हर मौसम और हर ओकेजन के लिए सुटेबल है.

एनिमल पैटर्न

एनिमल पैटर्न को लेपर्ड प्रिंट भी कहते हैं. पहले कुछ एक्स्ट्रा मॉड युवतियां ही इसे कैरी करती थीं, लेकिन अब ये स्मूथ हो गया है और सभी खासकर कॉलेज गोइंग युवतियां इसे सहजता से कैरी करती हैं. एनिमल पैटर्न का प्रिंट फिक्स होता है, इसमें आमतौर पर ब्लैक स्ट्राइप और यलो तथा ब्राउन का कंट्रास्ट पसंदीदा कलर पैटर्न होता है. पहले लेपर्ड प्रिंट में कुछ गिनी-चुनी ड्रेसेज ही हुआ करती थीं, लेकिन आजकल इसमें खूब वेरायटी हैं.

आजकल लेपर्ड प्रिंट ही नहीं, एनिमल प्रिंट्स में जेब्रा और टाइगर प्रिंट भी आसानी से उपलब्ध हैं. जबकि पहले सिर्फ लेपर्ड प्रिंट ही मिलता था. शायद इसीलिए अब इसे लेपर्ड प्रिंट की जगह एनिमल प्रिंट कहते हैं. इसे जंपसूट, गाउन और जैकेट में भी आराम से कैरी किया जाता है. यह कूल और स्टाइलिश लुक देता है. इसे कैरी करके आप मॉडर्न दिखती हैं, इसलिए एनिमल पैटर्न की भी कम से कम एक ड्रेस आपके वार्डरोब में होनी चाहिए.

सावधान.. फेशियल के नुकसान भी होते हैं

इसमें कोई दो राय नहीं है कि फेशियल से चेहरे की त्वचा साफ, नरम, कोमल और मुलायम हो जाती है, जैसी त्वचा पाना हर महिला का ख्वाब होता है. लेकिन यह भी जान लें कि फेशियल से सिर्फ फायदे ही नहीं होते, जरूरत से ज्यादा फेशियल करने से इसके जबरदस्त नुकसान भी हो सकते हैं. जिन महिलाओं को फेशियल सूट नहीं करता, फिर भी वे इससे बेहतर नतीजे पाने के लिए बार-बार इसे आजमाती हैं, ऐसे में फायदे मिलने की जगह उन्हें काफी नुकसान हो सकता है, जिसकी भरपायी करना भी आसान नहीं होता.

BEAUTY जोन

जल्दी-जल्दी नहीं कराएं

फेशियल स्किन की गहराई में जाकर क्लीनिंग करता है और त्वचा को स्वस्थ और चमकदार बनाता है. लेकिन कुछ महिलाएं महीने में 4-5 बार फेशियल करवाती हैं. ऐसा करना बहुत नुकसानदायक हो सकता है. बार-बार फेशियल कराने से वातावरण में फैला प्रदूषण, गहरी धूप, धूल व मिट्टी का असर चेहरे पर साफ-साफ दिखाई देने लगता है. हफ्ते में केवल एक बार स्क्रबिंग और महीने में अधिकतम 2 बार फेशियल कराना चाहिए. ज्यादा फेशियल कराने से चेहरे के पोर्स खुल जाते हैं और कई बार मुंहासों की समस्या पैदा हो जाती है.

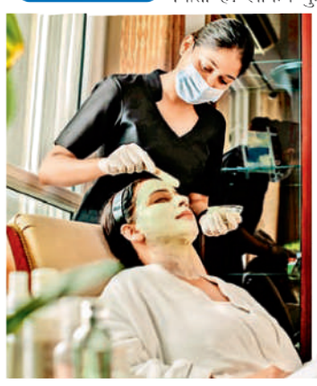

बिगड़ जाता है पीएच बैलेंस

यदि आप नियमित रूप से चेहरे का फेशियल कराती हैं तो इससे त्वचा अपनी कुदरती नमी खो देती है और इसका नुकसान यह होता है कि त्वचा का पीएच बैलेंस बिगड़ जाता है. महीने में एक बार फेशियल कराना अच्छा होता है और अगर इससे ज्यादा कराना ही हो तो अधिकतम 2 बार फेशियल कराना चाहिए. ऐसा करने से त्वचा का पीएचल बैलेंस ठीक रहता है.

पैच टेस्ट जरूरी

सबकी त्वचा अलग अलग होती है और कई लोगों की त्वचा दूसरे लोगों के मुकाबले ज्यादा सेंसेटिव होती है. इसलिए स्किन में होने वाली किसी एलर्जी को लेकर यह नहीं मानना चाहिए कि अगर उसे नहीं होती तो मुझे कैसे होगी? अगर आपकी त्वचा संवेदनशील है तो कोई भी केमिकल युक्त मसाज क्रीम और फेसपैक इस्तेमाल करने से त्वचा में खुजली की दिक्कत हो जाती है. इसलिए जब भी पहली बार फेशियल करवाएं तो अपने ब्यूटी प्रोडक्ट का पैच टेस्ट जरूर करवा लें.

खो जाती है नेचुरल नमी

त्वचा में अपना एक नेचुरल मॉश्चराइजर होता है. लेकिन अगर ज्यादा फेशियल कराया जाता है तो त्वचा का यह मॉश्चर खत्म हो जाता है. ज्यादा फेशियल से त्वचा में लाल चकत्ते पड़ जाते हैं और कई बार ये चकत्ते अनेक तरह की परेशानियों का घर साबित होते हैं. इससे त्वचा में सूजन आ सकती है. यह सूजन लंबे समय तक रह सकती है और कई बार तो ज्यादा स्थिति खराब हो जाए तो सूजन स्थायी हो जाती है.

अच्छे तरीके से सजा हुआ घर सबको अच्छा लगता है, खासकर ड्राइंगरूम. ज्यादातर मेहमानों को यहीं बैठाया जाता है, इसलिए यह और भी ज्यादा जरूरी हो जाता है कि वह खूबसूरत ढंग से सजा-संवरा हो. अगर ड्राइंगरूम या लिविंग रूम को यूनिक और क्रिएटिव तरीके से सजाया जाए तो सुंदरता और भी ज्यादा बढ़ जाती है. इसके लिए यह जरूरी नहीं है कि आप बाजार से महंगी और क्रिएटिव चीजें लाकर ही इन्हें डेकोरेट करें, आप घर पर पड़ी कुछ चीजों का इस्तेमाल करके ड्राइंग रूम को यूनिक लुक दे सकते हैं.

क्रिएटिव तरीके से सजाएं लिविंग रूम

INTERIOR जोन

लाइट्स

आप ड्राइंगरूम में रोशनी बढ़ाने के लिए छत पर लाइट्स लगा सकते हैं. फेयरी लाइट्स या फिर बल्ब वाली लाइट्स छत पर सजा सकते हैं. लाइट्स के साथ रूम डेकोरेटिव भी लगेगा और साथ में कमरा क्रिएटिव भी नजर आएगा. आप चाहे तो झूमर लाइट्स का इस्तेमाल भी कर सकते हैं.

टोकरी के साथ

आप दीवारों पर बेकार पड़ी टोकरियां लगा सकते हैं. इस तरह से टोकरियां लगाने से दीवारें एकदम यूनिक दिखेंगी. साथ में यह क्रिएटिविटी आपके घर की सुंदरता पर चार-चांद लगा देगी.

मैप को फ्रेम करके लगाएं

आपने बच्चों को कई बार मैप का इस्तेमाल करते हुए देखा होगा. आप मैप को घर की सजावट के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं. आप ड्राइंग रूम में मैप लगाकर एक यूनिक लुक क्रिएट कर सकते हैं. मैप को फ्रेम करके आप दीवार पर लगा सकते हैं. इसके अलावा जिन जगहों में आप घूमना चाहते हैं या घूमकर आए हैं, उसका मैप अपने दीवार पर लगा सकते हैं.

हैंगिंग प्लांट्स

दीवार पर हैंगिंग प्लांट्स लगाकर भी अपने घर की सुंदरता बढ़ा सकते हैं. इन प्लांट्स को डेकोरेटिव तरीके से कमरे की दीवार पर लगा सकते हैं. अगर आपको कोई पौधा अच्छा लगता है तो ड्राइंगरूम की सजावट के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं.

कलरफुल सोफा सेट

रंग-बिरंगे सोफे भी ड्राइंग रूम की सुंदरता को चार-चांद लगा देंगे. घर में आने वाले मेहमानों को भी कलरफुल सोफा आकर्षित करेगा. दीवार के कलर के साथ मैच करता हुआ सोफा भी आकर्षक लगता है.

जार में बल्ब

पुराने पड़े कांच के जार में बल्ब लगाकर उसे डेकोरेट कर सकते हैं. इससे आपके घर को एक यूनिक और क्रिएटिव लुक मिलेगा. इसके अलावा पुराना जार भी इस तरह से दोबारा इस्तेमाल में आ जाएगा.

बच्चों में डेवलप करें अच्छी लाइफस्टाइल

PARENTING जोन

हम सभी अपने बच्चों के लिए कुछ करना चाहते हैं. साथ ही उन्हें ऐसी शिक्षा भी देना चाहते हैं जिससे वे आगे जाकर अपने जीवन में कुछ अच्छा कर पाएं. उन्हें आत्मनिर्भर बनाएं. ऐसे में आपको अपने बच्चों को कुछ चीजों के बारे में जरूर सिखाना चाहिए जो उनके भविष्य के लिए काफी आवश्यक हैं.

खुद का काम खुद करना सिखाएं

हम आजकल अपने बच्चों की देखभाल के लिए नौकर रखते हैं. ऐसे में यह गलत भी नहीं है लेकिन आपको अपने बच्चों को उनका खुद का काम उन्हें खुद ही करने देना चाहिए. खासकर जब बच्चे 3 साल से ऊपर के हो जाएं तो उन्हें उनकी जिम्मेदारियों का एहसास कराएं.

अलग-अलग तरह के टास्क दें

एक्सपर्ट का कहना है कि बच्चों को बचपन से ही अलग-अलग तरीके का टास्क देना चाहिए. ऐसे में वे क्रिएटिव बनेंगे. वे किसी भी चीज को लेकर जितना सोचेंगे, उनके दिमाग में उतने ही ज्यादा सवाल बनेंगे. ऐसे में यह उनके विकास के लिए यह काफी जरूरी है.

हेल्दी आदतें सिखाएं

अपने बच्चों को सेहत से जुड़ी अच्छी आदतें सिखाएं. जैसे- रोजाना ब्रश करना, रोजाना नहाना. इन आदतों को खासकर अपने बच्चों में छोटी उम्र में ही डालें. ऐसे में वह इन आदतों को लंबे समय तक नहीं भूलेंगे.

हाइजीन के बारे में बताएं

आप अपने बच्चों को हाइजीन के बारे में जरूर बताएं. छोटे बच्चे जब स्कूल जाते हैं और वह पब्लिक बाथरूम का इस्तेमाल करते हैं तो उन्हें कुछ चीजों के बारे में पहले से ही पता होना चाहिए. ऐसे में आपके बच्चे अकेले भी कहीं होंगे तो वह हाइजीन का खास ख्याल रखेंगे.

सही तरीके से सामान रखना

अपने सामान, किताब और गैजेट्स को सही तरीके से रखना जरूर सिखाएं. ऐसा आपको छोटी उम्र से ही करना चाहिए. ऐसे में बच्चे अपने किसी भी सामान का खास खयाल रखेंगे.

निवेश करने से पहले ध्यान रखें ये जरूरी बातें

हर व्यक्ति अपनी जमा-पूंजी पर ज्यादा से ज्यादा लाभ पाना चाहता है. लेकिन इसी चक्कर में आए दिन ऐसी घटनाएं होती रहती हैं, जिनमें निवेश की किसी स्कीम में बहुत अधिक लाभ का लालच देकर लोगों को गुमराह करके हजारों-लाखों लोगों से भारी-भरकम राशि इकट्ठी कर ली जाती है और इसके बाद स्कीम चलाने वाले लोग या तो गायब हो जाते हैं या फिर लाभ नहीं दे पाते या निवेशकों का मूलधन भी वापस नहीं कर पाते. ऐसे में अपना पैसा किसी भी तरह के निवेश में लगाने से पहले कुछ सावधानियां जरूर बरतें, जिससे आपका पैसा भी सुरक्षित रहे और अच्छा लाभ भी प्राप्त हो.

विज्ञापनों पर भरोसा न करें

निवेश करते समय ज्यादातर लोग जल्दी से जल्दी बहुत लाभ का वादा देने वाले विज्ञापनों या कंपनियों की बातों पर बिना जांच-पड़ताल किए विश्वास कर लेते हैं. लोगों को ईमेल या एसएमएस द्वारा भी ऐसी स्कीमों के चंगुल में फंसाने की कोशिश की जाती है. यदि कोई बैंकों से ज्यादा ब्याज या लाभ अथवा थोड़े ही समय में लाखों की कमाई का आश्वासन देता है तो ऐसी स्कीमों से दूर रहें.

किसी की बातों में न आएं

कई बार व्यक्ति खुद को किसी प्रतिष्ठित संस्था या बैंक का प्रतिनिधि बताकर राशि जमा करने की बात करता है. बाजार में घूम रहे सेल्समैन या एसएमएस भेजने वाले किसी व्यक्ति की बात पर विश्वास करके निवेश करना एक बड़ी भूल है.

बचत की जानकारी गोपनीय रखें

सभी तरीके के निवेश में से मान्यता प्राप्त बैंकों में पैसे जमा करवाना सबसे सुरक्षित तरीका है. परंतु इसमें भी सावधानी बरतने की जरूरत है. कई बार बैंकों के कर्मचारी भी किसी ग्राहक के खाते से धोखाधड़ी से पैसा निकाल लेते हैं. इसलिए बैंक में अपनी बचत की जानकारी व अपने एटीएम के पिन गोपनीय रखें, अपनी चेक बुक सुरक्षित रखें. अपने सहकर्मियों या मित्रों पर अंधविश्वास न रखें.

एक ही जगह पैसा न लगाएं

एक ही जगह बहुत ज्यादा पैसा न लगाएं. अगर कोई निवेशक कई तरह की अलग-अलग परिसंपत्तियों में पैसा लगाता है तो चाहे वह अपना पैसा शेयर बाजार में ही क्यों न लगाए, एक मोटे नुकसान की आशंका से बच सकता है.

पहले आकलन करें

कोई भी निवेश योजना बनाने से पहले निवेशक को आकलन करना चाहिए कि उसे किस पैसे की कब जरूरत होगी. कुछ पैसा बैंक सावधि जमा खाते (एफडी) में रखने का लाभ यह है कि किसी भी समय जरूरत पड़ने पर पैसा निकाला जा सकता है.

ब्राइडल हेयर स्टाइल से बाल हुए डैमेज तो...

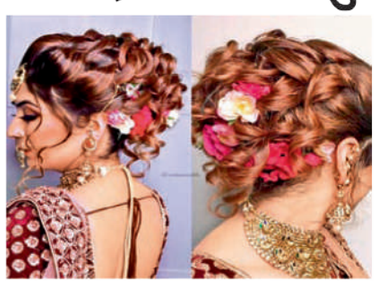

हम सभी चाहते हैं कि हमारे बाल खूबसूरत और घने नजर आएं. हम स्टाइलिश दिखने के चक्कर में तरह-तरह के ब्राइडल हेयर स्टाइल तो बना लेते हैं लेकिन बाद में होने वाले हेयर डैमेज की वजह से झड़ते बालों की समस्या से परेशान हो जाते हैं. खासकर ब्राइडल हेयर स्टाइल की वजह से शादी के बाद बालों की सही तरीके से देखभाल करना बेहद जरूरी होता है. ऐसा करने से आपके बाल डैमेज होने से बच सकते हैं और घने भी रहेंगे.

केमिकल से होते हैं रूखे-बेजान

हेयर स्टाइल बनाते समय कई तरह के केमिकल युक्त प्रोडक्ट्स जैसे हेयर स्प्रे का इस्तेमाल किया जाता है, जिसके कारण आपके बाल काफी हद तक डैमेज हो जाते हैं.साथ ही इन हेयर स्टाइल को बनाने के लिए कई हीटिंग प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल किया जाता है. इस कारण भी आपके बाल रूखे और बेजान नजर आने लगते हैं.

चंपी करने के फायदे

ब्राइडल हेयर स्टाइल को खोलने के बाद अपने बालों की सेहत के लिए नारियल तेल से करीब 10 से 15 मिनट तक चंपी करनी चाहिए. ऐसा करने से आपके बाल हेयर स्टाइल को बनाते समय इस्तेमाल किए गए केमिकल और हेयर टूल्स के कारण डैमेज होने से बच जाएंगे. नारियल का तेल आपके बालों को पोषण देने में मदद करेगा.

इन चीजों को भी ट्राई करें

हेयर सीरम रूखे और बेजान बालों को जीवनदान देने में मदद करता है. इसका इस्तेमाल आप दिन में करीब 3 से 4 बार तक कर सकती हैं. साथ ही आप चाहे तो नेचुरल चीजों से बने हेयर मास्क का भी इस्तेमाल कर सकती हैं. इसके अलावा आप चाहे तो बालों में केवल एलोवेरा भी लगा सकती हैं. एलोवेरा का इस्तेमाल आप हफ्ते में करीब 2 बार तक कर सकती हैं. बाल अगर बहुत ज्यादा ड्राई हो गए हैं तो आप होममेड हेयर स्पा भी कर सकती हैं.

जब पहनें हाई हील, तो ध्यान रखें ये बातें

आमतौर पर यह देखा गया है कि हाई हील पहनने वाली कई किशोरियों में असहनीय कमर दर्द के कई मामले सामने आते हैं. ऊंची एड़ियों वाले सैंडलों से हर तीसरी युवती प्रभावित है और इनमें से कई युवतियां तो स्थायी रूप से आर्थोपैडिक समस्याओं का भी शिकार हो जाती हैं, लेकिन उन्हें इसका एहसास काफी नुकसान झेलने के बाद होता है. जब आप हाई हील पहनती हैं तो आपकी कमर और नितंबों पर जबरदस्त दबाव पड़ता है, जो आपकी रीढ़ के लिए काफी नुकसानदेह होता है.

★ जितनी ऊंची एड़ियों के सैंडल पहनेंगी, उतना ही आपकी कमर और एड़ियों की हड्डियों पर पड़ता है.
★ हाई हील के कारण नितंबों, कंधों, कमर और रीढ़ की अवस्था बिगड़ जाती है.
★ यदि आपका वजन अधिक है, तो हाई हील आपका संतुलन भी बिगाड़ सकती है और आपके चोटिल होने की संभावना बढ़ा देती है.
★ पैरों के अंगूठों से पहले के हिस्सों में हाई हील के कारण दर्द बढ़ जाता है.
★ फीते और पंप स्टाइल ऊंची एड़ी के सैंडल पहनने से एड़ियों के पिछले हिस्से की हड्डी बढ़ सकती है.
★ यदि आप लंबे समय तक हाई हील सैंडल पहनती हैं तो इनसे शिराओं और पिंडलियों की मांसपेशियों को स्थायी रूप से नुकसान पहुंचता है.

हालांकि महिलाएं अपनी पसंदीदा फुटवियर का मोह बमुश्किल ही छोड़ पाती हैं, यहां तक कि तकलीफ सहते रहने के बाद भी. लिहाजा, आप हाई हील पहनने के दौरान दर्द और नुकसान को इन उपायों से कम कर सकती हैं :

★ ड्राइविंग के दौरान फ्लैट चप्पलें पहनें.
★ किसी मीटिंग में बैठने के दौरान आप अपने सैंडल ढीले कर सकती हैं और अपने पैरों को फर्श पर रख सकती हैं.
★ 20-30 मिनट के अंतराल पर ब्रेक लें और अपने सैंडल निकाल दें.
★ जब लगे कि सैंडल खराब हो रहे हैं तो लगाव होने के बावजूद उन्हें बदल लें.
★ सैंडलों का चयन स्टाइल या उनकी मोटाई से न करें, बल्कि उन्हें पहनकर आराम महसूस करने के आधार पर करें.

खबर संक्षेप

एमजी मोटर भारत में लगा सकती है दूसरा संयंत्र

कोलकाता। चीन की कार निर्माता कंपनी एमजी मोटर इंडिया देश में दूसरा संयंत्र स्थापित करने की संभावना तलाश रही है। कंपनी के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। वर्तमान में कंपनी का गुजरात के हलोल में एक विनिर्माण संयंत्र है जहां उत्पादन क्षमता 1.2 लाख यूनिट प्रति वर्ष है। 'हम भारत में दूसरा संयंत्र लगाने का विकल्प तलाश रहे हैं।

श्नाइडर 3200 करोड़ 2026 तक करेगी निवेश

नई दिल्ली। श्नाइडर इलेक्ट्रिक इंडिया ने देश में अपनी उपस्थिति बढ़ाने के लिए 2026 तक 3,200 करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना बनाई है। कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एवं प्रबंध निदेशक (एमडी) दीपक शर्मा ने 'पीटीआई-भाषा' के साथ बातचीत में कहा कि यह निवेश नौ राज्यों में किया जाएगा। शर्मा ग्रेटर इंडिया रीजन के अध्यक्ष भी हैं।

अपडेटर ने आईपीओ का मूल्य दायरा तय किया

नई दिल्ली। एकीकृत सुविधा प्रबंधन कंपनी अपडेटर सर्विसेज लिमिटेड ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए मूल्य दायरा 280-300 रुपये प्रतिशेयर तय किया है। कंपनी के लिए आईपीओ 25 सितंबर को खुलेगा और 27 सितंबर को बंद होगा। एंकर निवेशक 22 सितंबर को बोली लगा सकते हैं।

आनंद महिंद्रा ने कनाडा को दिया तगड़ा झटका, बंद कर दी अपनी एयरोस्पेस कंपनी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत और कनाडा के बीच अब एक नई तरह की जंग शुरू हो गई है। जिसमें आनंद महिंद्रा भी कूद गए लगते हैं। यही वजह है कि महिंद्रा एंड महिंद्रा ने गुरुवार को कनाडा को तगड़ा झटका देते हुए अपनी कंपनी के ऑपरेशन को बंद कर दिया है। गुरुवार को जानकारी देते हुए महिंद्रा एंड महिंद्रा ने कहा कि उसकी कनाडा बेस्ड कंपनी रेसन एयरोस्पेस कॉरपोरेशन के ऑपरेशन को बंद कर दिया है।

महिंद्रा एंड महिंद्रा के पास कंपनी की 11.18 फीसदी हिस्सेदारी थी, जिसने स्वैच्छिक रूप से ऑपरेशनल बंद करने के लिए आवेदन किया।

भारत और कनाडा के बीच शुरू हुई नई जंग, महिंद्रा के पास कंपनी की 11.18 फीसदी हिस्सेदारी है

महिंद्रा एंड महिंद्रा को मोटा नुकसान

वहीं दूसरी ओर कंपनी के शेयर में गिरावट आने से कंपनी की वैल्यूएशन में 7200 करोड़ रुपए से ज्यादा की गिरावट देखने को मिली है। आंकड़ों के अनुसार एक दिन पहले कंपनी का शेयर 1634.05 रुपए पर था और कंपनी का मार्केट कैप 2,03,025.78 करोड़ रुपए था। जबकि आज जब कंपनी का शेयर 1575.75 रुपए के दिन के लोअर लेवल पर पहुंचा तो कंपनी का मार्केट कैप 1,95,782.18 करोड़ रुपए पर आ गया। ऐसे में कंपनी की वैल्यूएशन को 7,243.6 करोड़ रुपए का नुकसान हो चुका है।

कंपनी के शेयर में बड़ी गिरावट

इस खबर के बाद से महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयरों में बड़ी गिरावट देखने को मिली। बाजार बंद होने से 10 मिनट पहले महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर 3 फीसदी की गिरावट के साथ 1584 रुपए पर कारोबार कर रहे थे। वैसे कारोबारी सत्र के दौरान कंपनी का शेयर साढ़े तीन फीसदी की गिरावट के साथ 1575.75 रुपये के साथ दिन के लोअर लेवल पर भी गया. जबकि एक दिन पहले कंपनी का शेयर 1634.05 रुपए पर बंद हुआ था।

इस फैसले के बाद महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयरों में बड़ी गिरावट देखने को मिली है। महिंद्रा एंड महिंद्रा ने अपना एक बयान जारीकर यह जानकारी दी।

एमएंडएम का बयान

महिंद्रा एंड महिंद्रा (एमएंडएम) ने शेयर बाजार को दी जानकारी में कहा कि रेसन कॉर्पोरेशन कनाडा से 20 सितंबर 2023 को कामकाज बंद करने की मंजूरी के लिए आवश्यक दस्तावेज मिल गए, जिसकी सूचना कंपनी को दी गई। कंपनी ने बताया कि इसके बाद रेसन ने अपना संचालन बंद कर दिया। वह 20 सितंबर 2023 से कंपनी की सहयोगी नहीं है।

- परिवारों की शुद्ध वित्तीय बचत में करीब 55 फीसदी की गिरावट
- बचत गिरकर जीडीपी के 5.1 प्रतिशत पर आ गई
- कर्ज का बोझ दोगुना से अधिक होकर 15 .6 लाख करोड़ रुपए

एसबीआई रिसर्च ने अपने विश्लेषण में दी जानकारी

बीते वित्त वर्ष में परिवारों पर कर्ज का बोझ हुआ दोगुना, बचत हुई आधी

एजेंसी ▶▶ मुंबई

पिछले वित्त वर्ष 2022-23 में परिवारों की शुद्ध वित्तीय बचत करीब 55 प्रतिशत गिरकर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 5.1 प्रतिशत पर आ गई, जबकि इन परिवारों पर कर्ज को बोझ दोगुना से भी अधिक होकर 15.6 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। नवीनतम आधिकारिक आंकड़ों के विश्लेषण से यह जानकारी मिली है।

एसबीआई रिसर्च की विश्लेषणात्मक रिपोर्ट के मुताबिक, घरेलू बचत से निकासी का एक बड़ा हिस्सा भौतिक संपत्तियों में चला गया है और 2022-23 में इनपर कर्ज भी 8.2 लाख करोड़ रुपये बढ़ गया। इनमें से 7.1 लाख करोड़ रुपये आवास ऋण एवं अन्य खुदरा कर्ज के रूप में बैंकों से लिया गया है।

बचत पिछले पांच दशक में सबसे कम

पिछले वित्त वर्ष में घरेलू बचत गिरकर जीडीपी के 5.1 प्रतिशत पर सिमट गई, जो पिछले पांच दशक में सबसे कम है। वित्त वर्ष 2020-21 में घरेलू बचत जीडीपी के 11.5 प्रतिशत के बराबर थी, जबकि महामारी से पहले 2019-20 में यह 7.6 प्रतिशत थी।

बचत का गिरना चिंता का विषय

सामान्य सरकारी वित्त और गैर-वित्तीय कंपनियों के लिए कोष जुटाने का सबसे महत्वपूर्ण जरिया घरेलू बचत ही होती है। ऐसे में परिवारों की बचत का गिरना चिंता का विषय हो सकता है। राष्ट्रीय खातों में घरेलू क्षेत्र के भीतर व्यक्तियों के अलावा खेती एवं गैर-कृषि व्यवसाय जैसे सभी गैर-सरकारी, गैर-कॉरपोरेट उद्यम, एकल स्वामित्व एवं भागीदारी जैसे प्रतिष्ठान और गैर-लाभकारी संस्थान आते हैं।

बीमा और भविष्य निधि कोष में हुई बढ़ोतरी

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के समूह मुख्य आर्थिक सलाहकार सौम्य कांति घोष ने कहा कि महामारी के बाद से परिवारों की वित्तीय देनदारियां 8.2 लाख करोड़ रुपये बढ़ गईं, जो सकल वित्तीय बचत में हुई 6.7 लाख करोड़ रुपये की वृद्धि से अधिक है। इस अवधि में परिवारों की संपत्ति के स्तर पर बीमा और भविष्य निधि एवं पेंशन कोष में 4.1 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई।

निम्न ब्याज दर व्यवस्था के कारण ऐसा हुआ

घोष ने कहा कि यह संभवतः निम्न ब्याज दर व्यवस्था के कारण ऐसा हुआ है। इससे पिछले दो वर्षों में घरेलू वित्तीय बचत का स्वरूप घरेलू भौतिक बचत में बदल गया है। उन्होंने कहा कि वित्तीय परिसंपत्तियों की हिस्सेदारी घटने से वित्त वर्ष 2022-23 में भौतिक परिसंपत्तियों की हिस्सेदारी 70 प्रतिशत तक पहुंच जाने की उम्मीद है।

रियल एस्टेट क्षेत्र में आया सुधार

घोष का यह भी मानना है कि रियल एस्टेट क्षेत्र में सुधार और संपत्ति की कीमतें बढ़ने से भौतिक संपत्तियों की ओर रुझान बढ़ा है। महामारी के दौरान घरेलू ऋण एवं जीडीपी का अनुपात बढ़ा था लेकिन अब उसमें गिरावट आई है। मार्च, 2020 में यह अनुपात 40.7 प्रतिशत था लेकिन जून, 2023 में यह घटकर 36.5 प्रतिशत पर आ गया।

परिवार की देनदारी में वृद्धि

वहीं परिवारों की देनदारी के स्तर पर हुई 8.2 लाख करोड़ रुपये की वृद्धि में 7.1 लाख करोड़ रुपये वाणिज्यिक बैंकों से घरेलू उधारी का नतीजा है। पिछले दो साल में परिवारों को दिए गए खुदरा ऋण का 55 प्रतिशत आवास, शिक्षा और वाहन पर खर्च किया गया है।

लगातार तीसरे दिन धड़ाम हुआ शेयर बाजार

एजेंसी ▶▶ मुंबई

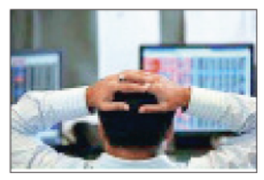

- तीन दिनों में निवेशकों के 5 .5 लाख करोड़ रुपए डूबे
- सेंसेक्स 571 अंक और निफ्टी 159 अंक टूटा
- वैश्विक बाजारों में रही कमजोरी

स्थानीय शेयर बाजारों में गिरावट का सिलसिला गुरुवार को लगातार तीसरे दिन जारी रहा और बीएसई सेंसेक्स 570.60 अंक का गोता लगा गया। वैश्विक बाजारों में कमजोरी के रुख के बीच निवेशकों ने वाहन, बैंक और वित्तीय कंपनियों के शेयरों में बिकवाली की, जिससे बाजार नीचे आया।

अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के महंगाई को काबू में रखने के लिये इस साल नीतिगत दर में एक बार और वृद्धि के संकेत से वैश्विक बाजारों में गिरावट आई। बैंक ऑफ इंग्लैंड ने ब्याज दरों में करीब दो साल से जारी बढ़ोतरी पर विराम लगाया। केंद्रीय बैंक ने गुरुवार को अपनी मुख्य ब्याज दर को 15 साल के उच्चतम स्तर 5.25 प्रतिशत पर यथावत रखा। तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 570.60 अंक की गिरावट के साथ 66,230.24 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 672.13 अंक तक लुढ़क गया था। निफ्टी भी 159.05 अंक टूटकर 19,742.35 अंक पर बंद हुआ।

एसबीआई, अट्राटेक रहे नुकसान में

सेंसेक्स के शेयरों में आईसीआईसीआई बैंक में सर्वाधिक 2.81 प्रतिशत की गिरावट आई। इसके अलावा महिंद्रा एंड महिंद्रा, भारतीय स्टेट बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, इंडसइंड बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, टाटा मोटर्स, बजाज फिनसर्व, एक्सिस बैंक और पावर ग्रिड के शेयर भी नुकसान में रहे।

निवेशकों के 5.5 लाख करोड़ रुपए डूबे

वैश्विक बाजारों में गिरावट और विदेशी पूंजी की निकासी के बीच घरेलू शेयर बाजारों में तीन कारोबारी सत्रों के भीतर निवेशकों के 5.50 लाख करोड़ रुपये डूब गए हैं। चौतरफा गिरावट के इस दौर में बीएसई पर सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 5,50,376.85 करोड़ रुपये गिरकर 3,17,90,603.86 करोड़ रुपये पर आ गया।

ईएमएस का शेयर 34 फीसदी उछाल के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली। पानी एवं जलनिकासी से जुड़ी ढांचागत कंपनी ईएमएस लिमिटेड के शेयर बृहस्पतिवार को 211 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले करीब 34 प्रतिशत उछाल के साथ सूचीबद्ध हुए। बीएसई पर शेयर ने 33.43 प्रतिशत के उछाल के साथ 281.55 रुपये पर शुरुआत की। बाद में यह 36.82 प्रतिशत बढ़कर 288.70 रुपये पर पहुंच गए।

सरकार एसजेवीएन में अपनी हिस्सेदारी बेचेगी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली उत्पादक कंपनी एसजेवीएन लि. में सरकार की 4.92 प्रतिशत हिस्सेदारी की बिक्री पेशकश बृहस्पतिवार को संस्थागत निवेशकों द्वारा बोली लगाने के साथ शुरू हुई। सरकार दो दिवसीय बिक्री पेशकश (ओएफएस) में 69 रुपये प्रति शेयर के न्यूनतम मूल्य पर 4.92 प्रतिशत हिस्सेदारी यानी 19.33 करोड़ शेयर बेच रही है।

लिबर्टी इंश्योरेंस में वेद सीईओ नियुक्त

मुंबई। लिबर्टी जनरल इंश्योरेंस ने पराग वेद को अपना सीईओ और बोर्ड का निदेशक नियुक्त करने की गुरुवार को घोषणा की। कंपनी ने एक बयान में यह जानकारी दी। पराग वेद लिबर्टी के साथ जुड़ने से पहले टाटा एआईजी जनरल इंश्योरेंस में 'कंज्यूमर लाइन' के अध्यक्ष रहे चुके हैं। लिबर्टी जनरल इंश्योरेंस की ओर से जारी एक बयान के अनुसार वेद के पास बीमा उद्योग में दो दशकों से अधिक का अनुभव है। वह आईसीआईसीआई लोम्बार्ड जनरल इंश्योरेंस सहित कई संगठनों में वरिष्ठ पदों पर सेवाएं दे चुके हैं।

पियोजियो प्रीमियम दोपहिया वाहन खंड में करेगी विस्तार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

इटली के पियाजियो समूह का लक्ष्य भारत में प्रीमियम दोपहिया वाहन खंड में अपनी उपस्थिति बढ़ाना है, क्योंकि कंपनी ग्राहकों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अधिक से अधिक सुविधा संपन्न विकल्प तलाश रही है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी।

- अप्रिलिया आरएस 457 के जरिए मोटरसाइकिल खंड में किया प्रवेश

कंपनी उसकी पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी पियाजियो व्हीकल्स के जरिए भारत में मौजूद है। उसने अप्रिलिया आरएस 457 का अनावरण करके बढ़ते मध्यम आकार के मोटरसाइकिल खंड में प्रवेश किया। कंपनी पहले से ही देश में अप्रिलिया और वेस्पा ब्रांड के तहत पांच प्रीमियम स्कूटर मॉडल बेचती है। पियाजियो व्हीकल्स के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक डिएगो ग्राफी ने कहा, ' हमने देखा है कि अधिक से अधिक ग्राहक आवाजाही के लिए अपनी आवश्यकता को पूरा करने के लिए कुछ और संतोषजनक चाहते हैं। वे हर सुविध से संपन्न मॉडल की तलाश में हैं, यह चलन विभिन्न देशों में पहले से ही मौजूद है।' ग्राफी ने कहा कि भारतीय उपभोक्ताओं की अपेक्षाएं बढ़ी हैं क्योंकि वे एक स्थान से दूसरे स्थान तक जाने के लिए आम वाहन से कुछ अधिक की तलाश करते हैं। उन्होंने कहा कि देश में प्रीमियम उत्पादों की मांग बढ़ रही है।

प्रमुख शहरों में बिक्री जारी

ग्राफी ने कहा कि कंपनी भारत में अगले साल जनवरी के आसपास प्रमुख शहरों में चुनिंदा दुकानों से अप्रिलिया आरएस 457 की बिक्री शुरू करेगी। स्कूटर की बिक्री के बारे में पूछे जाने पर ग्राफी ने कहा, 'हम इस वित्त वर्ष में 60,000-70,000 स्कूटर बेचने का लक्ष्य रखने जा रहे हैं। यह प्रीमियम खंड में मौजूदगी बढ़ाने की हमारी रणनीति के अनुरूप है।'

टाटा रिन्यूएबल नेपाल के बाजार में उतरी

नई दिल्ली। नवीकरणीय समाधान प्रदाता कंपनी टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी ने नेपाल में नवीकरणीय ऊर्जा उद्यम को गति देने के लिए स्थानीय कंपनी डुगर पावर के साथ समझौता किया है। टाटा पावर ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। यह गठजोड़ नेपाल के तेजी से विकसित हो रहे नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में टीपीआरईएल के रणनीतिक प्रवेश की शुरुआत है और स्थायी ऊर्जा की ओर नेपाल के बदलाव को गति देने में एक लंबी छलांग के लिए मंच तैयार करता है। बयान के अनुसार, 'टीपीआरईएल ने नेपाल के प्रमुख औद्योगिक समूह डुगर की अनुषंगी इकाई डुगर पावर प्राइवेट लिमिटेड (डुगर पावर) के साथ करार किया है। यह साझेदारी ऑन और ऑफ-ग्रिड ऊर्जा समाधानों की एक श्रृंखला का उत्पादन करने और क्षेत्र में ऊर्जा स्थिरता के लिए दीर्घकालिक प्रतिबद्धता की शुरुआत करने के लिए परिवर्तनकारी सौर प्रौद्योगिकियों के लिए तैयार है।

स्वीडन के केंद्रीय बैंक ने नीतिगत दर बढ़ाई

एजेंसी ▶▶ स्टॉकहोम

- ब्याज दर चार प्रतिशत की, और बढ़ोतरी का संकेत

स्वीडन के केंद्रीय बैंक ने बृहस्पतिवार को अपनी प्रमुख ब्याज दर में बढ़ोतरी करते हुए कहा कि देश की अर्थव्यवस्था में मुद्रास्फीतिक दबाव अब भी बहुत अधिक हैं। इसके साथ ही केंद्रीय बैंक ने कहा कि इस तरह के संकेत मिल रहे हैं कि महंगाई अब नीचे आ रही है। 'द रिक्सबैंक' ने अपनी नीतिगत दर को चौथाई प्रतिशत बढ़ाकर चार प्रतिशत कर दिया है। केंद्रीय बैंक ने कहा कि उसके अनुमानों से संकेत मिले हैं कि इसे और बढ़ाया जा सकता है। बैंक की ओर से जारी बयान के अनुसार, 'स्वीडन में भी महंगाई कम हो रही है। ऊर्जा और खाद्य कीमतों में वृद्धि की दर काफी धीमी हो गई है, जो सकारात्मक है।' बैंक ने कहा, 'हालांकि मुद्रास्फीति का दबाव अब भी बहुत अधिक है।' यह देखते हुए कि सेवाएं अब भी महंगी हो रही हैं स्वीडन की मुद्रा 'क्रोना' कमजोर है। स्वीडन की मुद्रा यूरो और अमेरिकी डॉलर के मुकाबले अबतक के सबसे निचले स्तर पर आ गई है।

उच्च मुद्रास्फीति से जूझ रहा बैंक ने कहा, 'यह सुनिश्चित करने के लिए कि मुद्रास्फीति में गिरावट जारी रहे और यह उचित समय के भीतर लक्ष्य के आसपास स्थिर हो जाए, मौद्रिक नीति को और कड़ा करने की जरूरत है।' स्वीडन उच्च मुद्रास्फीति से जूझ रहा है अगस्त में यह 7.5 प्रतिशत थी, जबकि जुलाई में यह 9.3 प्रतिशत रही थी।

सोने में 130 रुपए की गिरावट, चांदी स्थिर

नई दिल्ली। विदेशी बाजारों में बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में गिरावट के बीच राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में गुरुवार को सोना 130 रुपये की गिरावट के साथ 60,170 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने यह जानकारी दी। इससे पिछले कारोबारी सत्र में सोना 60,300 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। हालांकि, चांदी की कीमत 74,500 रुपये प्रति किलोग्राम पर अपरिवर्तित बनी रही। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने कहा, 'बृहस्पतिवार को सोना कीमतों में गिरावट आई।

चीन से सस्ते ड्रॉअर स्लाइडर की डंपिंग की जांच शुरू

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

चीन से सस्ते ड्रॉअर स्लाइडर की देश में कथित रूप से डंपिंग किए जाने के मामले में व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) ने पड़ताल शुरू कर दी है।

- डंपिंग की डीजीटीआर ने पड़ताल शुरू की

वाणिज्य मंत्रालय की जांच शाखा डीजीटीआर ने चीन में निर्मित टेलीस्कोपिक चैनल वाले ड्रॉअर स्लाइडर की भारत में डंपिंग की जांच शुरू की है। यह कार्रवाई हाईहोप फर्निचर फिटिंग्स मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएट्स प्राइवेट लिमिटेड से मिली शिकायत पर की गई है। डीजीटीआर ने एक अधिसूचना में कहा कि चीन से सस्ता ड्रॉअर स्लाइडर भारतीय बाजार में खपाने के पर्याप्त प्राथमिक साक्ष्य मौजूद हैं। इससे घरेलू उद्योग को नुकसान हो रहा है। महानिदेशालय ने कहा कि चीन में इन उत्पादों का सामान्य मूल्य उनके निर्यात मूल्य से अधिक है।यह संकेत देता है कि इन उत्पादों को चीन के निर्यातक भारतीय बाजार में सस्ते दाम पर खपाने की कोशिश कर रहे हैं। इन पहलुओं को ध्यान में रखते हुए डीजीटीआर स्वतः संज्ञान लेकर डंपिंग-रोधी जांच शुरू कर रहा है।

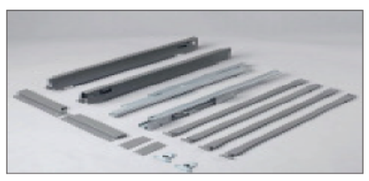

घरेलू उद्योगों को नुकसान होने की बात

डंपिंग की वजह से घरेलू उद्योगों को नुकसान होने की बात साबित हो जाती है तो महानिदेशालय ड्रॉअर स्लाइडर के आयात पर डंपिंग-रोधी शुल्क लगाने की अनुशंसा वित्त मंत्रालय से करेगा। भारत पहले ही चीन से आयात किए जाने वाले कई उत्पादों पर डंपिंग-रोधी शुल्क लगा चुका है।

- आलोचना को नए सिरे से मंत्रालय ने किया खारिज
- अन्य वित्तीय उत्पादों में हो रहा निवेश

घरेलू बचत में कमी संकट की बात नहीं: वित्त मंत्रालय

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

वित्त मंत्रालय ने घरेलू बचत में गिरावट को लेकर हो रही आलोचनाओं को गुरुवार को नकारते हुए कहा कि लोग अब दूसरे वित्तीय उत्पादों में निवेश कर रहे हैं और 'संकट जैसी कोई बात नहीं है।' मंत्रालय ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी बयान में घरेलू बचत में पिछले कई दशकों में आई सबसे बड़ी गिरावट और इसका अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले प्रभाव को लेकर की जा रही आलोचनाओं को सिरे से खारिज कर दिया।

उपभोक्ताओं का रुझान वित्तीय उत्पादों की ओर

बयान के मुताबिक, 'घरेलू बचत में गिरावट और अर्थव्यवस्था पर इसके प्रभाव को लेकर हाल में आलोचना की गयी है। हालांकि आंकड़ों से पता चलता है कि उपभोक्ताओं का रुझान अब विभिन्न वित्तीय उत्पादों की ओर है। और यही कारण है कि घरेलू बचत कम हुई है। कुछ तबकों में जताई जा रही चिंता जैसी कोई बात नहीं है।'

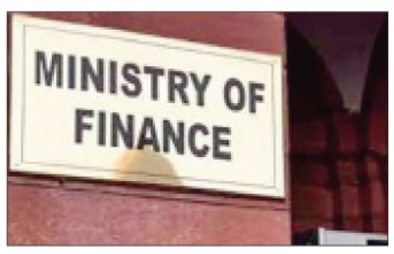

घरेलू बचत 47 वर्षों के निचले स्तर पर

भारतीय रिजर्व बैंक के ताजा मासिक बुलेटिन में प्रकाशित एक लेख में कहा गया है कि शुद्ध घरेलू बचत वित्त वर्ष 2022-23 में सकल घरेलू उत्पाद का 5.1 प्रतिशत रही जो पिछले 47 वर्षों का निचला स्तर है। इससे एक साल पहले यह 7.2 प्रतिशत थी। दूसरी तरफ घरेलू क्षेत्र की सालाना वित्तीय देनदारी बढ़कर 5.8 प्रतिशत हो गयी जो 2021-22 में 3.8 प्रतिशत थी।

वित्तीय देनदारी 42 फीसदी बढ़ी

वित्त मंत्रालय ने कहा कि जून 2020 और मार्च 2023 के बीच घरेलू सकल वित्तीय परिसंपत्तियां 37.6 प्रतिशत बढ़ी। वहीं घरेलू सकल वित्तीय देनदारी 42.6 प्रतिशत बढ़ी। इन दोनों के बीच कोई बड़ा अंतर नहीं है। मंत्रालय ने कहा, परिवारों के स्तर पर वित्त वर्ष 2020-21 में 22.8 लाख करोड़ की शुद्ध वित्तीय परिसंपत्ति जोड़ी गयी।

बिजनेस साइट

मैजिक ग्लोमोर व ग्लोमैक्स की चमक ने पेन्ट्स की दुनिया में बनी पहली पसंद

- कंपनी के चार ब्रांच से हो रहे प्रोडक्शन की प्रदेश ही नहीं देश में भी डिमांड

रायपुर। छत्तीसगढ़ की डेकोरेटिव पेन्टर बनाने वाली कंपनी मैजिक पेन्ट्स इन दिनो प्रदेश ही नहीं बल्कि देश में आम लोगों के साथ बिल्डर्स व सरकारी संस्थानों की पहली पसंद है। रायपुर सहित प्रदेश में मैजिक पेन्ट्स के चार ब्रांच में उत्पादन होने वाले सबसे चमकदार पेन्ट्स के रूप में ग्लोमोर के साथ ग्लोमैक्स ने भी रंगो की दुनिया में धूम मचा रखा है।

इसको लेकर मैजिक पेन्ट्स के संचालक फरहत अब्बास बताते हैं कि इस मुकाम तक पहुंचने के पिछे 26 साल की मेहनत और ग्राहकों का भरोसा जुड़ा है। इसे कायम रखने के लिए हर साल कुछ नया करने का प्रयास करते हैं। इसका परिणाम यह है अभी तक देश में 15 सौ और प्रदेश में कंपनी के प्रोडक्ट्स की गुणवत्ता पर भरोसा करने वाले 700 से ज्यादा डिलर्स ने कलर की 500 से ज्यादा वेरायटी को लोगों तक पहुंचाने में सहभागिता निभाते आ रहे हैं।

कंपनी के पास ट्रैक्चर की कई वेरायटी : बढ़ते दौर के हिसाब से कंपनी ने मैजिक सेन्च्यूरा नाम से ट्रैक्चर की कई विस्तृत रेंज भी बाजार में उतारा है। इनमें परवेला डिजाइन, स्टोन आर्ट जैसे कई सारे डिजाइनों को शामिल किया गया है। कंपनी ने इसका प्रदर्शन मौका मिलने पर एक्सपो में भी करता है। इसे एक्सपों में देखने और परखने के बाद नए डेवलपर्स से भी अच्छा रिस्पॉस मिलता है। कंपनी ने त्योहारी सीजन को देखते हुए डीलर्स के माध्यम से इस बार भी बाजार में विस्तृत रेंज के साथ लोगों के भरोसे को कायम रखने का प्रयास करेगा, ताकि लोगों से मिलने वाला रिस्पॉस कायम रखा जा सके।

हिलव्यू समाचार

खेल

जयपुर, शुक्रवार, 22 सितम्बर 2023

बेहतर काम करने वाले वैज्ञानिक, प्रौद्योगिकीविद और अन्वेषकों को सरकार करेगी पुरस्कृत

> बड़े स्तर पर भारतीय समुदायों या समाज को लाभ पहुंचाने के लिए असाधारण योगदान देने वाले भारतीय मूल के वैज्ञानिक, प्रौद्योगिकीविद् और अन्वेषक भी पात्र होंगे।

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार के क्षेत्र में राष्ट्रीय पुरस्कारों की एक श्रेणी राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार की स्थापना की है। राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार (आरवीपी) का उद्देश्य विज्ञान, प्रौद्योगिकी और प्रौद्योगिकी आधारित नवाचार के विभिन्न क्षेत्रों में वैज्ञानिकों, प्रौद्योगिकीविदों और अन्वेषकों द्वारा व्यक्तिगत रूप से या टीमों में किए गए उल्लेखनीय और प्रेरणादायी योगदान को मान्यता देना है। राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार भारत में विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार के क्षेत्र में सर्वोच्च पुरस्कारों में से एक होगा।

1. विज्ञान रत्न (वीआर) पुरस्कार विज्ञान और प्रौद्योगिकी के किसी भी क्षेत्र में की गई जीवन भर की उपलब्धियों और योगदान को मान्यता देगा।
2. विज्ञान श्री (वीएस) पुरस्कार विज्ञान और प्रौद्योगिकी के किसी भी क्षेत्र में विशिष्ट योगदान को मान्यता देगा।
3. विज्ञान युवा पुरस्कार 45 वर्ष की आयु तक के युवा वको मान्यता देगा और प्रोत्साहित करेगा जिन्होंने विज्ञान और प्रौद्योगिकी के किसी भी क्षेत्र में असाधारण योगदान दिया है
4. विज्ञान टीम पुरस्कार तीन या अधिक एक टीम को दिया जाएगा, जिन्होंने विज्ञान और प्रौद्योगिकी के किसी भी क्षेत्र में एक टीम के रूप में काम करके असाधारण योगदान दिया हो।

हर साल 14 जनवरी को होगी पुरस्कारों की घोषणा | **पुरस्कार समारोह 23 अगस्त राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर होगा** | **केंद्र सरकार ने की राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार की स्थापना**

कौन होंगे पुरस्कार के पात्र

सरकारी, निजी क्षेत्र के संगठनों में काम करने वाले वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिकीविद् और अन्वेषकों या किसी भी संगठन से इतर काम करने वाला कोई भी व्यक्ति, जिसने विज्ञान, प्रौद्योगिकी या प्रौद्योगिकी आधारित नवाचार के किसी भी क्षेत्र में अग्रणी अनुसंधान या नवाचार या अविष्कार के संदर्भ में विशिष्ट योगदान दिया हो, वे पुरस्कार प्राप्त करने के पात्र होंगे।

बहुविषयक है पुरस्कार

राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार 13 क्षेत्रों अर्थात भौतिकी, रसायन विज्ञान, जैविक विज्ञान, गणित और कंप्यूटर विज्ञान, पृथ्वी विज्ञान, चिकित्सा, इंजीनियरिंग साइंस, कृषि विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार, परमाणु ऊर्जा, अंतरिक्ष विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी और अन्य में प्रदान किया जाएगा। लैंगिक समानता सहित प्रत्येक कार्य-क्षेत्र से प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया जाएगा। राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कारों के लिए प्राप्त सभी नामांकन राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार समिति के समक्ष रखे जाएंगे, जिसकी अध्यक्षता भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार करेंगे और इसमें विज्ञान विभागों के सचिव, विज्ञान एवं इंजीनियरिंग अकादमियों के सदस्य आदि शामिल होंगे।

केंद्र ने बजट 2024 की तैयारियां शुरु की

वित्त मंत्रालय शुरू करेगा दस अक्टूबर से बैठकें

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

देश में हर साल बजट पेश किया जाता है। बजट के जरिए देश की नए वित्त वर्ष में होने वाले आय और व्यय का ब्योरा दिया जाता है। इसके साथ ही इस बार का बजट काफी अहम होने वाला है। दरअसल, साल 2024 में देश में लोकसभा चुनाव होने वाले हैं। इन चुनाव से पहले देश का अंतरिम बजट पेश किया जाएगा और लोकसभा चुनाव के बाद देश में पूर्ण बजट पेश किया जाएगा।

बजट को लेकर जारी हुआ नोटिस

वित्त मंत्रालय वित्त वर्ष 2024-25 के लिए बजट की तैयारियों के सिलसिले में 10 अक्टूबर से बैठकों का सिलसिला शुरू करेगा। इसको लेकर एक नोटिस भी जारी किया गया है। वित्त मंत्रालय के बजट विभाग की तरफ से जारी नोटिस के अनुसार, अनुदान/विनियोग के संबंध में संशोधित अनुमान 2023-24 और बजट अनुमान 2024-25 को अंतिम रूप देने के लिए बजट-पूर्व चर्चा वित्त सचिव और सचिव (व्यय) की अध्यक्षता में 10 अक्टूबर से शुरू होगी।

14 नवंबर तक चलेंगी बैठकें

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार बजट-पूर्व बैठकें 10 अक्टूबर से शुरू होंगी। इसके बाद ये बैठकें 14 नवंबर तक चलेंगी। बता दें कि अगले साल होने वाले लोकसभा चुनावों से पहले पेश होने वाला बजट अंतरिम होगा। लोकसभा चुनाव के बाद देश में नई सरकार के शपथ के बाद वित्त वर्ष 2024-25 का पूर्ण बजट पेश किया जाएगा।

5 अक्टूबर तक मांगा विवरण

सभी मंत्रालयों और विभागों को 20 सितंबर, 2023 को भेजे गये इस नोटिस में उनके साथ बैठकों का जिक्र किया गया है। बजट-पूर्व बैठकों का कार्यक्रम विभिन्न जरूरतों को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। नोटिस के अनुसार मंत्रालयों और विभागों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि आवश्यक विवरण पांच अक्टूबर, 2023 तक प्रस्तुत करना चाहिए।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 पर राज्यसभा में चर्चा

नड्डा ने खरगे को सुनाई खरी खरी

नो-नो करने वालों को शासन करना नहीं आया, आता तो कानून पता होते

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 लोकसभा से पारित होने के बाद अब राज्यसभा में इस पर चर्चा हो रही है। पक्ष विपक्ष के नेता बिल पर अपनी अपनी बात रख रहे हैं। सदन में चर्चा के दौरान कभी कोई तंज कसता है तो कोई इसे जल्द लागू करने की मांग कर रहा है। आरजेडी सांसद मनोज झा ने एससी,एसटी और ओबीसी को महिला आरक्षण को लेकर जोरदार वकालत की। उन्होंने कहा कि यह मसला यस या नो का नहीं है। यह मसला हमारे देश की तारीख से जुड़ा है। यह मसला इस बात से जुड़ा हुआ है कि जो प्रधानमंत्री जी ने बीते दिनों सेंट्रल हॉल में कहा था कि कैनवास बड़ा होगा आकृति बड़ी होगी। बड़ा कैनवास तो है, लेकिन आकृति छोटी गढ़ी जा रही है और इसका इतिहास स्मरण करेगा। आरजेडी सांसद ने बिहार की पत्थर तोड़ने वाली भगवतिया देवी और उत्तर प्रदेश की फूलन देवी का भी जिक्र किया। मनोज झा ने कहा कि हर महिला को बहुत मुश्किल से आगे बढ़ना पड़ता है और खास करके पिछड़ा, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जानजाति की महिलाओं को। उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी के अध्यक्ष लालू यादव ने एक पत्थर तोड़ने वाली गया की भगवतिया देवी को संसद तक पहुंचाया है, लेकिन, क्या उसके बाद भगवतिया देवी आ पाईं, क्या फूलन देवी आ पाईं।

> राष्ट्रीय जनता दल के सांसद मनोज झा ने राज्यसभा में बहस के दौरान कहा कि संसद में अब पत्थर तोड़ने वाली बिहार की भगवतिया और उत्तरप्रदेश की फूलन देवी जैसी महिलाएं संसद में क्यों नहीं दिखाई देतीं हैं।

सभापति जगदीप धनखड़ ने वेणुगोपाल को लगाई डांट

खरगे बार बार बोले काल करे सो आज कर

राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने महिला आरक्षण को तुरंत प्रभाव से लागू करने की मांग की। खरगे ने हिंदी साहित्य के भक्तिकाल के प्रसिद्ध कवि कबीरदास के प्रतिष्ठित दोहे काल करे सो आज कर आज करे सो अब... का जिक्र किया और कहा कि केंद्र सरकार को नारी शक्ति वंदन अधिनियम तुरंत लागू करना चाहिए। इसके बाद मल्लिकार्जुन खरगे ने कबीरदास का जिक्र किया और तेज आवाज में कहने लगे- काल करे सो आज कर आज करे सो अब... इसके बाद राज्यसभा सभापति जगदीप धनखड़ ने मुस्कुराते हुए उन्हें अपनी सीट पर बैठने का इशारा किया। फिर सभापति ने भाजपा प्रमुख और सांसद जेपी नड्डा को जवाब देने के लिए आमंत्रित किया।

हमारा मकसद राजनीति फायदा लेना नहीं-नड्डा

इसके बाद जेपी नड्डा ने अपनी बात रखी। उन्होंने कहा- ये बिल महिलाओं पर अहसान नहीं, बल्कि उनका वंदन और अभिनंदन है। अगर ये बिल आज पास होता है, तो 2029 तक 33% महिलाएं सांसद बनकर आ जाएंगी। जेपी नड्डा ने जवाब दिया कि भाजपा का उद्देश्य राजनीतिक फायदा लेने का नहीं है। सरकार नियमों से काम करती है। पक्का काम करने में विश्वास रखती है। इस पर विपक्षी सांसद 'नो-नो' करने लगे, तो नड्डा ने कहा कि कि 'नो-नो' करने वालों को शासन करना नहीं आया। अगर शासन करना आता तो पता होता कि नियम-कानून भी कोई चीज है।

पुरानी संसद में वास्तु दोष...

चर्चा के दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष के नेताओं में नोकझोंक देखने को मिली। कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल ने कहा कि मोदी सरकार को महिला आरक्षण बिल लाने में 9 साल क्यों लग गए। सरकार नई बिल्डिंग का इंतजार कर रही थी। क्या पुरानी संसद में वास्तु दोष था? उन्होंने ने कहा कि नई संसद भवन के उद्घाटन के दौरान राष्ट्रपति को क्यों नहीं बुलाया गया। इस पर स्पीकर ने उन्हें टोकते हुए कहा कि राष्ट्रपति देश का सबसे बड़ा पद है। उसकी अपनी गरिमा है। राष्ट्रपति को संसद में बुलाने का एक प्रोटोकॉल है। आप इस मुद्दे को चर्चा का विषय क्यों बनाना चाहते हैं?

वेणुगोपाल को दी ये सलाह

आपको होमवर्क करके आना चाहिए: जगदीप धनखड़

राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल को डांट लगा दी। उन्होंने केसी वेणुगोपाल से कहा कि आपको अपना होमवर्क करके आना चाहिए। दरअसल, ये तब हुआ जब राज्यसभा में महिला आरक्षण बिल को लेकर बहस चल रही थी। इस दौरान कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने नई संसद के उद्घाटन में राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति की अनुपस्थिति का जिक्र किया गया। जिसपर सभापति

जगदीप धनखड़ भड़क गए। उन्होंने वेणुगोपाल को टोंकते हुए कहा कि कोई संवैधानिक उल्लंघन नहीं हुआ है, आपको अपना होमवर्क करना चाहिए। उन्होंने आगे कहा, 'हम कमियों पर समझौता नहीं कर सकते। हम दूसरों की अज्ञानता का व्यापार नहीं कर सकते। मैं यह स्पष्ट कर दूं कि उपराष्ट्रपति और राष्ट्रपति को देश में सर्वोच्च सम्मान दिया गया है। कोई संवैधानिक उल्लंघन नहीं हुआ है। राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति अथवा चेयरमैन का पद अपेक्षानुसार उनके स्तर का ही रखना होगा और वही किया गया। पिछले तीन दिनों में भी आपने यही देखा है। प्रमुख विपक्षी दल के सदस्य के रूप में मैं आपसे अपील करूंगा कि आप अपना होमवर्क अवश्य करें। पता लगाएं। उपराष्ट्रपति इतने पर ही नहीं रुके। उन्होंने आगे कहा, टजब आप राष्ट्रपति को बीच में लाते हैं तो इससे अच्छा संदेश नहीं जाता। संविधान पढ़ें तो आप पाएंगे कि भूमिका स्पष्ट रूप से परिभाषित की गई है। राष्ट्रपति संसद के प्रत्येक सत्र को संबोधित करेंगे, यही संविधान में मूल निर्देश था।

खबर संक्षेप

अनिवार्य फिटनेस परीक्षण की तारीख बढ़ी

नई दिल्ली । पंजीकृत स्वचालित परीक्षण स्टेशन के जरिए अनिवार्य फिटनेस टेस्ट के लिए लास्ट डेट को आगे बढ़ा कर 1 अक्टूबर 2024 कर दिया है। वाहनों के लिए पंजीकृत स्टेशन के जरिए अनिवार्य फिटनेस टेस्ट के लिए लास्ट डेट को आगे बढ़ा दी है।

भाजपा नेता पांडा को जान से मारने की धमकी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बैजयंत पांडा को जान से मारने की धमकी मिली है। उनके असिस्टेंट को गुरुवार को कॉल करके ये धमकी दी गई। कथित तौर कॉलर ने कहा कि वह भाजपा नेता का हश्र ओडिशा के कैबिनेट मंत्री नबा दास जैसे कर देगा।

नई संसद की ठंडक से सोनिया बीमार

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद अखिलेश प्रसाद सिंह की तबीयत खराब हो गई। सिंह ने बताया कि नए संसद के एसी के कारण कई सांसद बीमार पड़े। जानकारी के मुताबिक ज्यादा ठंडक की कई शिकायतें सभापति से की है। ठंड से सोनिया गांधी की तबीयत भी खराब बताई जा रही है।

पुलिस ने रोका तो गो-तस्करों ने की फायरिंग, कासिम मेव की तलाश तेज

गोलियों की तड़तड़ाहट से गूंज उठा मेवात

एजेंसी ▶▶ भरतपुर

राजस्थान के डीग जिले में पड़ने वाले मेवात क्षेत्र में गुरुवार को एक बार फिर गो-तस्करों ने बड़ी हिमाकत की। राजस्थान पुलिस ने जब उन्हें रोककर गायों को छुड़ाने की कोशिश की तो तस्करों ने गोलीबारी शुरू कर दी और फरार हो गए। घटना पहाड़ी पुलिस थाने के तहत आने वाले गांव कंवारी में सुबह हुई। करीब 5 तस्कर मिनी ट्रक में गायों को लेकर यहां से गुजर रहे थे और पुलिस ने उन्हें घेरने की कोशिश की थी। गुप्त जानकारी मिलने के बाद पहाड़ी थाने की पुलिस वहां पहुंची थी। लेकिन पुलिस को देखते ही तस्करों ने फायरिंग शुरू कर दी। आरापियों की तलाश की जा रही है।

हरियाणा ले जाते हैं गाय

डीग जिले का मेवात क्षेत्र गौतस्करी के लिए कुख्यात रहा है। यहां पुलिस ने तस्करी पर रोक लगाने के लिए 2014 में 5 पुलिस आउटपोस्ट का निर्माण किया था। गौतस्कर गायों को यहां से पड़ोसी राज्य हरियाणा में ले जाते हैं।

सर्च ऑपरेशन शुरू

फरार गौतस्करों की तलाश में पुलिस ने सर्च ऑपरेशन शुरू किया है। तस्करों का सरगना बताए जा रहे कंवारी गांव के रहने वाले काडा उर्फ कासिम मेव के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। पुलिस ने 5 तस्करों के खिलाफ केस दर्ज किया है और आरोपियों की गिरफ्तारी की कोशिश की जा रही है।

प्रदेश अध्यक्ष धनखड़ के आह्वान पर दिल्ली पहुंची मातृशक्ति का मुख्यमंत्री मनोहर लाल, केंद्रीय मंत्रियों और सांसदों ने किया स्वागत

नारी शक्ति वंदन विधेयक की संसद में साक्षी बनी हरियाणा की 2000 महिलाएं: धनखड़

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष ओम प्रकाश धनखड़ के आह्वान पर गुरुवार को प्रदेशभर से करीब दो हजार महिलाएं 'महिला आरक्षण बिल' की कार्यवाही देखने के लिए संसद पहुंची। प्रदेश की मातृशक्ति का दिल्ली पहुंचने पर मुख्यमंत्री मनोहर लाल, केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह, कृष्णपाल गुर्जर और प्रदेश के सभी सांसदों ने स्वागत किया। इन महिलाओं में समाज के सभी वर्गों व कार्यक्षेत्रों से शामिल रहीं। बताया जा रहा है कि 'नारी शक्ति वंदन बिल' पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताने के लिए शुक्रवार को भी हरियाणा भाजपा अध्यक्ष ओमप्रकाश धनखड़ के नेतृत्व में हरियाणा भर से महिला कार्यकर्ता दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अभिनंदन करेंगी।

प्रदेश अध्यक्ष ओम प्रकाश धनखड़ ने कहा है कि आज हरियाणा की मातृशक्ति एतिहासिक क्षणों की गवाह बनी है। मोदी सरकार ने महिलाओं को उनका अधिकार देने का काम किया है। यह बहुत बड़ा बदलाव है या यह कहें कि मोदी है तो मुमकिन है। महिला आरक्षण को लेकर पहले भी संकल्पना की गई, लेकिन सार्थक कोई नहीं कर पाए। प्रधानमंत्री मोदी ने देश के संकल्प को सिद्धि तक पहुंचाने का काम किया है, इसलिए प्रधानमंत्री मोदी का आभार जताने के लिए भाजपा की महिला कार्यकर्ताओं में उत्सुकता है। उन्होंने कहा कि नारी शक्ति वंदन बिल का लोकसभा में पास होना केवल एक राजनीतिक बदलाव ही नहीं, बल्कि एक सामाजिक बदलाव है।

श्री धनखड़ ने कहा कि 'नारी शक्ति वंदन' कानून लागू होने के बाद 33 प्रतिशत महिलाओं को भारत की संसद में प्रतिनिधित्व मिलेगा। आधी आबादी के लिए यह एक क्रांति है। शुरुआत तो कई बार हुई, मगर सिरे केवल प्रधानमंत्री मोदी ने ही चढ़ाया, क्योंकि भारतीय जनता पार्टी की नीयत साफ है और सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास की नीतियों के साथ प्रधानमंत्री मोदी देश को तरक्की की राह पर लेकर जा रहे हैं।

इस मौके पर सांसद सुनीता दुग्गल, महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष सुनीता दांगी, हरियाणा सोशल वेलफेयर बोर्ड की चेयरपर्सन सुमित्रा चौहान, पिछड़ा वर्ग कल्याण निगम चेयरपर्सन निर्मला बैरागी, पूर्व विधायक लतिका शर्मा सहित अन्य महिला भाजपा नेत्रियों ने भी मोदी का आभार जताते हुए नारी शक्ति वंदन बिल को ऐतिहासिक निर्णय बताया।

राहुल ने लोकसभा में किया था सवाल, राज्यसभा में मिला दो टूक जवाब

नड्डा का राहुल गांधी पर पलटवार बोले-वे बताएं कि 2004 से 2014 तक कुल कितने सचिव ओबीसी थे?

नड्डा बोले-एक मात्र भाजपा है जिसने ओबीसी को प्रधानमंत्री बनाया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जेपी नड्डा ने गुरुवार को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के बयान पर करारा जवाब दिया। राहुल गांधी ने बुधवार को संसद में कहा था कि भारत सरकार में 90 सेक्रेटरी हैं और उनमें मात्र 3 ओबीसी से हैं। राहुल गांधी ने पूछा था कि सरकार में कितने सेक्रेटरी ओबीसी हैं? आज राज्यसभा में जेपी नड्डा ने उसी बयान पर पूछा कि 2004 से लेकर 2014 तक कितने सेक्रेटरी ओबीसी थे? उन्होंने कहा कि नेता को तो नेता ही रहना पड़ेगा; कोई ट्यूटर से काम नहीं करेगा।

1358 विधायकों में से 27 फीसदी भाजपा के हैं

163 एमएलसी में से 40 फीसदी ओबीसी के हैं

भाजपा के 303 सांसदों में से 85 ओबीसी हैं

ट्यूटर स्टेटमेंट से काम नहीं चलता

राहुल गांधी के बयान पर तंज कसते हुए जेपी नड्डा ने कहा कि ट्यूटर से कोई लीडर हो तो समझ में आता है, लेकिन लीडर को तो लीडर बनना पड़ेगा। ट्यूटर से काम नहीं चलता और न ही ट्यूटर स्टेटमेंट से काम चलेगा। आप को एनजीओ को लेकर आते है,वो आपको समझाते हैं और आप बोलकर निकल जाते हैं। ऐसे नहीं चलता है।

नड्डा बोले जरा हमारा ज्ञानवर्धन कीजिए

जेपी नड्डा ने कहा कि 1992 में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि आपको अखिल भारतीय सेवाओं में ओबीसी को आरक्षण देना चाहिए। 1995-96 में एससी/एसटी और ओबीसी वर्ग को सेवाओं में शामिल करना शुरू किया गया। आज, सचिवों के पैनल में शामिल होने का कट-ऑफ वर्ष 1992 का है। वर्तमान सचिव 1992 बैच से पहले के लोग हैं। उन्होंने पूछा कि 2004 से 2014 तक कितने सचिव ओबीसी थे और वे कहां थे? जरा हमको इसका ज्ञानवर्धन कीजिए।

नड्डा ने गिनाए आंकड़े

राहुल गांधी ने 21 सितंबर को लोकसभा में कहा था कि मुझे यह जानकर आश्चर्य हुआ कि 90 सचिवों में से भारत सरकार के अनुसार, केवल तीन ओबीसी हैं। ये सचिव बजट के केवल 5 प्रतिशत हिस्से पर नियंत्रण रखते हैं। जेपी नड्डा ने कहा कि भाजपा देश को ओबीसी प्रधानमंत्री देने वाली एकमात्र पार्टी है। भारत को पहला ओबीसी प्रधानमंत्री भाजपा और एनडीए द्वारा दिया गया और वह नरेंद्र मोदी हैं। वे ओबीसी की बात करते हैं। भाजपा के 303 सांसदों में से 85 ओबीसी हैं जो कि 29 फीसदी है।

मणिपुर में पुलिस स्टेशनों पर धावा

प्रदर्शनकारियों पर सुरक्षा बलों ने आंसू गैस के गोले छोड़े

एजेंसी ▶▶ इंफाल

मणिपुर में गुरुवार को पुलिस स्टेशनों और अदालतों पर धावा बोलने की कोशिश कर रहे प्रदर्शनकारियों पर मणिपुर सुरक्षा बलों ने आंसू गैस के गोले छोड़े, जिसमें 10 से अधिक लोग घायल हो गए। ये लोग 16 सितंबर को गिरफ्तार किए गए पांच युवकों की बिना शर्त रिहाई की मांग कर रहेथे । एहतियात के तौर पर राज्य सरकार ने इम्फाल के दोनों जिलों में शाम पांच बजे से कर्फ्यू में ढील रद्द कर दी है।छह स्थानीय क्लबों और मीरा पैबिस के आह्वान पर हाथों में तख्तियां लिए और नारे लगाते हुए सैकड़ों प्रदर्शनकारी सड़कों पर आ गए।

नहीं किया जा रहा रिहा

ऑल लंगथाबल केंद्र यूनाइटेड क्लब्स कोऑर्डिनेटिंग कमेटी के अध्यक्ष युमनाम हिटलर ने कहा, सरकार गिरफ्तार किए गए पांच युवाओं को रिहा करने के लिए कोई कदम नहीं उठा रही है। इसके बाद स्वैच्छिक सामूहिक गिरफ्तारी आंदोलन शुरू करने का निर्णय लिया गया।

अय्यर को साबित करनी होगी मैच फिटनेस, सूर्य को अपनी उपयोगिता

विश्व कप ड्रेस रिहर्सल में आस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे मैच आज

एजेंसी ▶▶ मोहाली

अगले महीने शुरू हो रहे विश्व कप से ठीक पहले 'ड्रेस रिहर्सल' मानी जा रही आस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की विश्व श्रृंखला में श्रेयस अय्यर को अपनी मैच फिटनेस साबित करनी होगी जबकि सूर्यकुमार यादव को एक दिवसीय क्रिकेट में अपना रिकॉर्ड दुरुस्त करना होगा। भारतीय बल्लेबाजी के स्तंभ कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली के अलावा स्पिनर कुलदीप यादव और हरफनमौला हार्दिक पंड्या पहले दो मैच नहीं खेलेंगे। ऐसे में कोच राहुल द्रविड़ के पास बेंच स्ट्रेंथ को आजमाने का सुनहरा मौका है।

मुंबई के दोनों बल्लेबाज सूर्यकुमार और श्रेयस अपनी अपनी चुनौतियों का सामना कर रहे हैं ताकि अपने कॅरियर के सबसे महत्वपूर्ण टूर्नामेंट का हिस्सा बन सकें। 28 वर्ष के अय्यर ने पिछले छह महीने में ज्यादा क्रिकेट नहीं खेली है। स्ट्रेट फ्रेक्चर की सर्जरी कराने के बाद लौटे अय्यर एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ मैच से पहले कमर में जकड़न के कारण फिर बाहर हो गए जिससे उनकी फिटनेस पर सवाल उठ रहे हैं।

अश्विन-सुंदर के लिए मौका

स्पिनर अक्षर पटेल के चोटिल होने से 37 वर्ष के रविचंद्रन अश्विन के लिए दरवाजा खुला है। अक्षर समय रहते ठीक नहीं होते तो अश्विन अपने कॅरियर का तीसरा और आखिरी विश्व कप खेल सकते हैं। दो सप्ताह पहले ही टीम प्रबंधन उनके बारे में सोच भी नहीं रहा था लेकिन अब टीम में जगह बनाने के लिए उनके और वॉशिंगटन सुंदर के बीच मुकाबला है। सूत्रों की मानें तो आगामी तीन मैचों में अच्छा नहीं खेलने पर भी अश्विन को सुंदर पर तरजीह मिल सकती है। डेविड वॉर्नर और स्टीव स्मिथ से अश्विन की जंग रोचक हो सकती है। कुलदीप यादव और पंड्या की गैर मौजूदगी में अश्विन और सुंदर दोनों के पास अपनी उपयोगिता साबित करने का मौका होगा। वैसे अगर अक्षर फिट हो जाते हैं तो टीम प्रबंधन उन्हें ही चुनेगा।

27 मैचों में 25 का औसत

सूर्यकुमार टी20 में नंबर एक बल्लेबाज भले ही हों लेकिन वनडे में उस फॉर्म को दोहरा नहीं सके हैं। अब तक 27 वनडे खेलने वाले सूर्य का औसत 25 है जो उनकी काबिलियत की बानगी नहीं देता। उन्हें विश्व कप के लिए प्रारंभिक टीम में रखा गया है और अब उन्हें चयनकर्ताओं के भरोसे पर खरा उतरना होगा।

किशन-गिल करेंगे ओपनिंग

रोहित के नहीं खेलने पर ईशान किशन और शुभमन गिल पारी की शुरुआत कर सकते हैं। अय्यर को कोहली की जगह उतारा जाएगा। एशियाई खेलों में भाग ले रही भारतीय टीम के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ को कवर के तौर पर रखा गया है और दूसरे मैच के बाद वह हांगझोउ रवाना हो जाएंगे। भारत ने अपने किसी भी तेज गेंदबाज को आराम नहीं दिया है लेकिन जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज को तीन में से एक मैच में आराम दिया जा सकता है।

आस्ट्रेलिया देगा कड़ी टक्कर

दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीका से हाल ही में श्रृंखला 2-3 से हारने के बावजूद आस्ट्रेलियाई टीम बेहतरीन प्रतिद्वंद्वी है। उसने भारत में मार्च में पिछली वनडे श्रृंखला जीती थी। विश्व कप में दोनों टीमों का सामना आठ अक्टूबर को होना है। ट्रेविस हेड की चोट से मार्नस लाबुशेन को मौका मिला है जिसे वह भुनाना चाहेंगे। भारत की सपाट पिचों पर हालांकि आस्ट्रेलियाई गेंदबाजी आक्रमण असल चुनौती होगी।

टीमें इस प्रकार

भारत : केएल राहुल (कप्तान), रविंद्र जडेजा, ऋतुराज गायकवाड़, शुभमन गिल, श्रेयस अय्यर, सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा, ईशान किशन, शार्दुल ठाकुर, वॉशिंगटन सुंदर, आर अश्विन, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा।

आस्ट्रेलिया : पैट कमिंस (कप्तान), एलेक्स कारी, नाथन एलिस, कैमरन ग्रीन, एडम जाम्पा, मार्कस स्टोइनिस, मिचेल स्टार्क, स्टीव स्मिथ, डेविड वॉर्नर, जोश हेजलवुड, स्पेंसर जॉनसन, मार्नस लाबुशेन, मिशेल मार्श, ग्लेन मैक्सवेल, तनवीर संघा, मैट शॉर्ट।

खबर संक्षेप

टीम स्पर्धा में स्वर्ण जीतने का मौका

नई दिल्ली। एशियाई खेलों के लिए तैयारी में जुटे भारतीय बैडमिंटन कोच आरएमवी गुरुसाईदत्त का मानना है कि देश के पास हांगझोउ में पुरुषों की टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने का सर्वश्रेष्ठ मौका है। भारत ने पिछले साल मई में थॉमस कप जीता था। गुरुसाईदत्त ने कहा, 'हम थॉमस कप चैम्पियन हैं और हमारे पास स्वर्ण पदक जीतने का सर्वश्रेष्ठ मौका है। लेकिन यह उस विशेष दिन और मुकाबले पर निर्भर करेगा और साथ ही टीम स्पर्धाओं में लय कैसी रहती है।'

मेरी कलाई ठीक हुई खेलने की उम्मीद

मोहाली। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस को बाईं कलाई की चोट से पूरी तरह से उबरने के बाद भारत के खिलाफ तीनों एकदिवसीय

अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में खेलने की उम्मीद है लेकिन उन्होंने कहा कि उनके नई गेंद के साझेदार मिशेल स्टार्क शुक्रवार को होने वाले पहले मैच में नहीं खेल पाएंगे। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान ने साथ ही उम्मीद जताई कि मार्नस लाबुशेन भारत के खिलाफ श्रृंखला में अच्छी फॉर्म जारी रखेंगे और विश्व कप की टीम के अंतिम 15 खिलाड़ियों में अपना दावा मजबूत करेंगे।

आस्कर पिस्टोरिस को मिल सकती है पैरोल

केपटाउन। ओलंपिक और पैरालम्पिक फर्राटा धावक आस्कर पिस्टोरियस को दक्षिण अफ्रीकी कानून के तहत मार्च में ही पैरोल

मिल सकती थी लेकिन हत्या के आरोप में उनकी सजा की शुरुआत की गणना में गलती होने के कारण उन्हें अभी तक जेल से रिहा नहीं किया गया। एक दस्तावेज में यह जानकारी दी गई। कानून और सुधार सेवा अधिकारियों ने देश के शीर्ष संवैधानिक न्यायालय को बताया कि वह पैरोल के लिए पिस्टोरियस की अपील को खारिज नहीं करेंगे।

डेविस कप : भारत ड्रा में फिर पाकिस्तान के साथ

नई दिल्ली। भारत को डेविस कप के विश्व ग्रुप एक प्लेऑफ के ड्रा में फिर पाकिस्तान के साथ रखा गया है और पाकिस्तान टेनिस महासंघ (पीटीएफ) ने गुरुवार को स्पष्ट किया कि वह इस दफा अपने घरेलू मुकाबले को तटस्थ स्थल पर स्थानांतरित करने पर सहमत नहीं होगा। भारत को 2019 ड्रा में भी पाकिस्तान के साथ रखा गया था लेकिन 'सुरक्षा चिंताओं' के कारण एशिया/ओसियाना ग्रुप एक मुकाबले को तटस्थ स्थल कजाखस्तान स्थानांतरित कर दिया गया था। विरोधस्वरूप पाकिस्तान के शीर्ष खिलाड़ी ऐसाम उल हक और अकील खान ने इस मैच में नहीं खेलने का फैसला किया था जिसमें उदीयमान मोहम्मद शोएब, हुजाइफा अब्दुल रहमान और यूसुफ खलील उसके लिए खेले थे।

फुटबॉल : बांग्लादेश को 1-0 से दी शिकस्त

एशियाड : छेत्री के गोल से जीता भारत सेमीफाइनल में महिला क्रिकेट टीम

एजेंसी ▶▶ हांगझोउ

आखिरी क्षणों में करिश्माई स्ट्राइकर सुनील छेत्री के गोल की बदौलत भारतीय फुटबॉल टीम ने गुरुवार को यहां बांग्लादेश को ग्रुप मैच में 1-0 से हराकर एशियाई खेलों के नॉकआउट में जगह बनाने की उम्मीद जीवंत रखी।

मंगलवार को मेजबान चीन से मिली 1-5 की निराशाजनक हार के बाद भारत ने अपने दूसरे मैच में पूरे अंक हासिल किए जिसमें टीम के 39 वर्ष के अनुभवी फुटबॉलर छेत्री द्वारा 85वें मिनट में पेनल्टी से किया गया गोल अहम रहा।

बांग्लादेश के गोलकीपर ने दायीं ओर छलांग लगाई लेकिन वह छेत्री के पेनल्टी स्पॉट से लगाए गए शानदार शॉट को रोकने में असफल रहे और यह सीधे नेट में पहुंच गया। बांग्लादेश के कप्तान रहमत के 'फाउल' से भारत को पेनल्टी प्रदान की गई जिसमें उन्होंने बॉक्स के किनारे से ब्रायस मिरांडा को 'टैकल' किया। भारत अब म्यांमा से खेलेगा जिसने शुरुआती दिन बांग्लादेश को 1-0 से हराया था।

शेफाली का शानदार अर्धशतक

शेफाली वर्मा ने मलेशिया के अनुभवहीन गेंदबाजी आक्रमण की बखिया उधेड़ते हुए 39 गेंद में 67 रन बनाए लेकिन एशियाई खेलों की महिला क्रिकेट स्पर्धा का क्वार्टर फाइनल बारिश से रद्द हो गया। भारत को बेहतर आईसीसी रैंकिंग के आधार पर सेमीफाइनल में प्रवेश मिल गया। मैच 15 ओवर प्रति टीम कर दिया गया था। भारत ने दो विकेट पर 173 रन बनाए थे। कप्तान स्मृति मंधाना ने 16 गेंद में 27 और जेमिमा रौड्रिग्ज ने 29 गेंद में 47 रन बनाए। रिचा घोष ने सात गेंद में 21 रन का योगदान दिया। मलेशिया के लिए सौ रन से आगे बढ़ना भी मुश्किल लक्ष्य था। डकवर्थ लुईस प्रणाली के आधार पर संशोधित लक्ष्य 177 रन का मिला। मलेशिया ने दो गेंद ही खेली थी कि भारी बारिश के कारण मैच रद्द करना पड़ा।

श्रीनगर की बिल्किस मीर बनीं केनोइंग, कयाकिंग की जज

श्रीनगर। श्रीनगर की पूर्व कयाकिंग और केनोइंग खिलाड़ी बिल्किस मीर को हांगझोउ में शनिवार से शुरू हो रहे एशियाई खेलों में फिनिशिंग लाइन जज बनाया गया है और यह श्रेय पाने वाली वह पहली भारतीय महिला हैं। मीर ने कहा, 'मैं जूरी पेनल में शामिल होने वाली पहली भारतीय महिला हूं। मैं कयाकिंग, केनोइंग और केनोए फर्राटा स्पर्धाओं में फिनिश प्वाइंट पर मुख्य जज रहूंगी। यह मेरे लिए सम्मान की बात है। यह सपना सच होने जैसा है। मैं इस सफलता को उन लड़कियों को समर्पित करना चाहती हूं जो भविष्य में यह खेल अपनाएंगी।'

डेविस कप : भारत-पाक ड्रॉ में एक साथ

मुकाबले को स्थानांतरित करने पर सहमत नहीं होगा पीटीएफ

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत को डेविस कप के विश्व ग्रुप एक प्लेऑफ के ड्रा में फिर पाकिस्तान के साथ रखा गया है और पाकिस्तान टेनिस महासंघ ने गुरुवार को स्पष्ट किया कि वह इस दफा अपने घरेलू मुकाबले को तटस्थ स्थल पर स्थानांतरित करने पर सहमत नहीं होगा।

भारत को 2019 ड्रा में भी पाकिस्तान के साथ रखा गया था लेकिन 'सुरक्षा चिंताओं' के कारण एशिया/ओसियाना ग्रुप एक मुकाबले को तटस्थ स्थल कजाखस्तान स्थानांतरित कर दिया गया था। विरोधस्वरुप पाकिस्तान के शीर्ष खिलाड़ी ऐसाम उल हक और अकील खान ने इस मैच में नहीं खेलने का फैसला किया था जिसमें उदीयमान मोहम्मद शोएब, हुजाइफा अब्दुल रहमान और यूसुफ खलील उसके लिए खेले थे। भारत ने तब कमजोर पाकिस्तान को 4-0 से हरा दिया था।

इस एकतरफा मुकाबले में पाकिस्तान ने पूरे मुकाबले में केवल सात गेम ही जीते थे। आईटीएफ 2019 में इस मुकाबले को तटस्थ स्थल पर स्थानांतरित करने के लिए सहमत हो गया था लेकिन अखिल भारतीय टेनिस संघ अगर तटस्थ स्थल के लिए जोर देता है तो राष्ट्रीय संस्था के लिए विश्व संचालन संस्था को अपनी बात समझाना बहुत मुश्किल हो जाएगा।

भारत के आने की उम्मीद : अकील

पाकिस्तान के अनुभवी खिलाड़ी अकील खान ने बताया कि वे उम्मीद कर रहे हैं कि भारतीय टीम मुकाबले के लिए उनके देश की यात्रा करेगी। अकील (43 वर्ष) ने कहा, 'मैं उम्मीद कर रहा हूं कि वे आएंगे और हमें मेजबानी का मौका देंगे। कुरैशी ने कहा, 'उम्मीद करते हैं कि इस बार यह मुकाबला पाकिस्तान में ही खेला जाएगा।' पाकिस्तान ने पिछले हफ्ते इंडोनेशिया को विश्व ग्रुप दो मुकाबले में घरेलू कोर्ट पर इंडोनेशिया को 4-0 से हराया था। पीटीएफ अध्यक्ष सलीम सैफुल्लाह खान ने कहा कि वे भारत की मेजबानी ग्रास कोर्ट पर करेंगे।

वित्तीय संकट की बात की थी साझा

नागल को मिला डीएलटीए पेप्सिको इंडिया से सहयोग

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सुमित नागल के एजेंसी को दिए साक्षात्कार में वित्तीय संकट की बात साझा करने के बाद भारत के शीर्ष टेनिस खिलाड़ी को सहयोग मिलना शुरु हो गया है। एक शीर्ष पेय पदार्थ कंपनी 'पेप्सिको इंडिया' और दिल्ली लॉन टेनिस संघ उनकी मदद को सामने आए हैं।

डीएलटीए ने पांच लाख रुपए का एक मुश्त सहयोग करने का फैसला किया है जबकि पेप्सिको इंडिया ने तीन साल तक नागल की मदद करने का वादा किया है।

डीएलटीए के प्रशासक रणबीर चौहान ने कहा, 'हमने सुमित नागल से जानकारी ली है और पांच लाख रुपए उनके खाते में जमा कर दिए जाएंगे।

डीएलटीए अध्यक्ष रोहित राजपाल ने इस समर्थन को मंजूरी दी है।' नागल ने एजेंसी को एक साक्षात्कार में दावा किया था कि एटीपी टूर में बने रहने के लिए उनका सालाना बजट एक करोड़ रुपए से कम का नहीं है और इस राशि का इंतजाम करने के बाद उनके खाते में सिर्फ 900 यूरो ही बचते हैं।

बांग्लादेश व न्यूजीलैंड के बीच पहला वनडे बारिश के कारण रद्द

मीरपुर (बांग्लादेश)। बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के बीच तीन मैचों की एक दिवसीय श्रृंखला का गुरुवार को पहला मैच तेज बारिश के कारण रद्द हो गया। मैच शुरु होने में एक घंटे के विलंब के बाद इसे 42-42 ओवर का कर दिया गया। न्यूजीलैंड ने बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद 33.4 ओवर में पांच विकेट गंवाकर 136 रन बना लिये थे। लेकिन फिर बारिश आ गयी और मैच रद्द कर दिया गया। अब दूसरा मैच शनिवार को खेला जोयगा। न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज विल यंग ने 58 और हेनरी निकोल्स ने 44 रन बनाये। बांग्लादेश के बायें हाथ के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान ने 27 रन देकर तीन विकेट और बायें हाथ के स्पिनर नासुम अहमद ने 21 रन देकर दो विकेट चटकाये।

भारत ने बांग्लादेश को 3-0 से हराया

एजेंसी ▶▶ काठमांडू

अर्जुन सिंह ओइनम, जी गोयारी, नाओबा मैतेई पांगाम्बाम के गोल की मदद से भारत ने गुरुवार को यहां दशरथ स्टेडियम में सैफ अंडर-19 चैंपियनशिप में बांग्लादेश को 3-0 से शिकस्त दी। भारत अब अगले ग्रुप बी मैच में 25 सितंबर को भूटान से भिड़ेगा और इससे उसकी निगाहें नॉकआउट चरण के लिए क्वालीफाई करने पर लगी होगी।

ग्रुप ए में मेजबान नेपाल, मालदीव और पाकिस्तान शामिल हैं। प्रत्येक ग्रुप से दो शीर्ष टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। दो साल से ज्यादा समय बाद अंतरराष्ट्रीय मंच

पर उतरी भारतीय टीम ने 34 सेकेंड के भीतर ही दबदबा बना लिया। गोयारी ने भारत के लिए पहला गोल दागा और टीम ने नाओबा मैतेई की बदौलत 45+5वें मिनट में बढ़त दोगुनी कर दी। अर्जुन ओइनम ने फिर टीम को 3-0 से आगे कर दिया।

विनेश, रवि, रानी रामपाल, हिमा दास और पंघाल नहीं खेल रहे

चोट और तकनीकी वजह से कई सितारे बाहर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

हांगझोउ में एशियाई खेलों में जहां हजारों भारतीय खिलाड़ी खेलों के इतिहास का सुनहरा पन्ना लिखने की कोशिश में होंगे, वहीं कुछ सितारे ऐसे भी होंगे जो फिटनेस समस्याओं या अन्य कारणों से खेलों के इस कुंभ से बाहर होंगे।

ये दिग्गज 2018 में जकार्ता एशियाई खेलों में भारत की झोली में पदक डाल चुके हैं या ओलंपिक या विश्व चैंपियनशिप जैसी बड़ी स्पर्धाओं में देश का परचम लहराया है। पिछले एशियाई खेलों में 50 किलो फ्रीस्टाइल कुश्ती में स्वर्ण जीत चुकी पहलवान विनेश फोगाट इस बार भी पदक की दावेदार थी। विनेश को एशियाई खेलों में सीधे प्रवेश मिला था। विनेश को अभ्यास के दौरान घुटने में चोट लगी और उसने अगस्त में आपरेशन कराया।

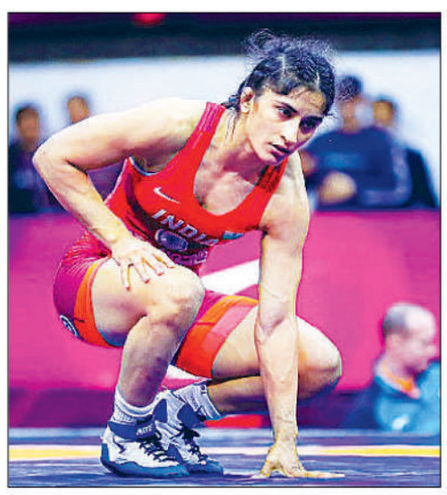

नहीं कर सके क्वालीफाई

विश्व चैंपियनशिप रजत पदक विजेता मुक्केबाज अमित पंघाल एशियाई खेलों के लिए क्वालीफाई नहीं कर सके। चयन ट्रायल में उनका प्रदर्शन खराब रहा और उनकी जगह दीपक भोरिया को शामिल किया गया। निशानेबाजी में 21 वर्ष के सौरभ चौधरी चयन ट्रायल में आठवें स्थान पर रहकर क्वालीफाई नहीं कर पाए जबकि पिछली बार उन्होंने 10 मीटर एयर पिस्टल में स्वर्ण पदक जीता था। जकार्ता में व्यक्तिगत जंपिंग में रजत पदक जीतने वाले घुड़सवार फवाद मिर्जा का भारतीय घुड़सवारी महासंघ ने चयन के मानदंडों पर खरे नहीं उतरने का हवाला देकर चयन नहीं किया।

चोट से बाहर खिलाड़ी

ओलंपिक रजत पदक विजेता रवि दहिया 57 किलो वर्ग में जुलाई में हुए राष्ट्रीय ट्रायल के दौरान पहले दौर में अतीश तोड़कर से हार गए। वह घुटने की चोट से जूझ रहे हैं। पिछली बार रजत पदक जीतने वाली महिला हॉकी टीम की कप्तान रही रानी रामपाल भी इस बार नजर नहीं आएंगी। वह भारत की अंडर 17 टीम को कोचिंग दे रही है और लंबे समय से खेल से बाहर हैं। फर्राटा धाविका हिमा दास भी हांगझोउ में नहीं दिखेंगी।

गेंदबाजों को आराम मिलता तो समझा जा सकता था

सुनील गावस्कर की कलम से

ऐसे में जबकि वर्ल्ड कप शुरू होने में कुछ ही दिन बचे हैं, भारत की ओर से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज पूर्ण रूप से द्विपक्षीय सीरीज की बजाय विश्व कप के वॉर्मअप मैचों के जैसी मानी जा रही है। इस सीरीज के लिए किया गया खिलाड़ियों का चयन भी इसी ओर इशारा करता है। कप्तान रोहित शर्मा, फॉर्म में चल रहे विराट कोहली और हार्दिक पांड्या को बाहर रखने से टीम की बल्लेबाजी कमजोर नजर आ रही है। अगर वर्ल्ड कप को ध्यान में रखते हुए गेंदबाजों को आराम दिया जाता तो ये बात आसानी से समझ आ सकती थी क्योंकि बल्लेबाजों की तुलना में गेंदबाज मैच जीतने के लिए अहम कुंजी साबित होने वाले हैं।

वर्ल्ड कप से ठीक पहले भारतीय टीम के पास ये सीरीज जीतकर अपना आत्मविश्वास बढ़ाने का अच्छा मौका

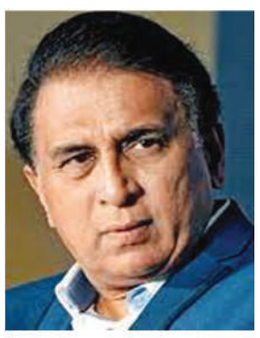

था। बेशक टीम इंडिया अब भी ऐसा कर सकती है लेकिन अगर अनुभवी खिलाड़ी टीम में होते तो सीरीज जीतने की संभावना भी उतनी ही प्रबल होती। कुल मिलाकर सीरीज जीतने के बाद प्रयोग करना अलग बात होती है लेकिन इस सीरीज को इतना हल्के में लिए जाने से भारतीय प्रशंसकों को झटका लगा है।

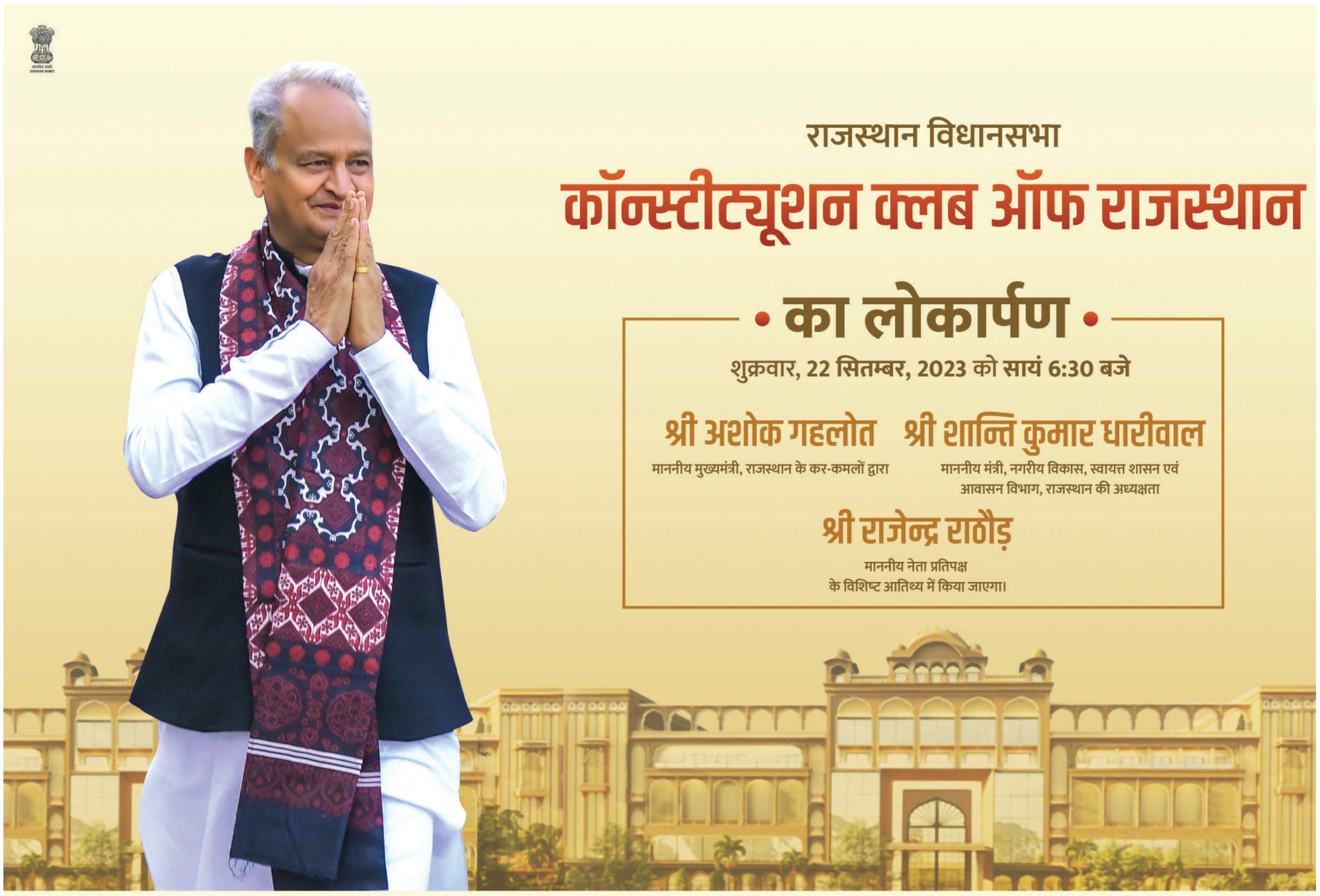

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, एवं मुद्रक शालिनी श्रीवास्तव के लिए अम्बर ऑफसेट प्राइवेट लिमिटेड, डी.एल. टॉवर, 3-ए, विद्याश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जेएलएन मार्ग, जयपुर में मुद्रित एवं प्लॉट नंबर C-2,अर्शिया रेजिडेंसी, फ्लैट नंबर 201,आदर्श नगर,राजा पार्क जयपुर-302004 (राजस्थान) से प्रकाशित।
संपादक : शालिनी श्रीवास्तव **सह-संपादक:** हरीश श्रीवास्तव, छबड़ा बारां **सह-संपादक :** कुलदीप गुप्ता, जयपुर मो.: 9460678701, 7976561127 (21 जून 2014 से निरन्तर प्रकाशित) hillviewsamachar@gmail.com (राजस्थान सरकार से विज्ञापन हेतु स्वीकृत)